छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 297 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 22 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

सब्जी बेचने वाले की बेटी चंचल और वन कर्मी के पुत्र मयंक बनेंगे डिप्टी कलेक्टर

सीजी पीएससी के अंतिम परिणाम में दोनों को एसटी कटेगरी में मिला पहला, दूसरा स्थान

सरगुजा के ही प्रसून गुप्ता को मिला 36वां रैंक, बन सकते हैं डीएसपी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। इसके साथ ही आयोग ने उन अभ्यर्थियों की मेरिट सूची भी सार्वजनिक कर दी है, जिन्होंने अंतिम चरण तक पहुंचकर सफलता हासिल की। आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी दस्तावेज में साक्षात्कार में शामिल 643 उम्मीदवारों की रैंकिंग, नाम, श्रेणी, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंक तथा पसंदीदा पद की जानकारी उपलब्ध कराई गई है। टॉप 10 की सूची पर नजर डालें तो पुरुष अभ्यर्थियों की संख्या 8 और महिला उम्मीदवारों की संख्या दो है। पिछले दो वर्षों में महिला उम्मीदवारों का प्रदर्शन मजबूत रहा। इस सूची में सरगुजा जिला के सीतापुर क्षेत्र से तीन अभ्यर्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया, इनमें से दो डिप्टी कलेक्टर और एक डीएसपी बनेंगे। कठिन मेहनत की बदौलत मिली सफलता से इनके पूरे परिवार में हर्ष का माहौल है, और सुबह से ही बधाई देने का तांता लगा हुआ है।

चंचल शुरू से रही मेधावी, 10वीं-12वीं में टॉपर

चंचल पैकरा की प्राथमिक शिक्षा काराबेल के सरकारी प्राथमिक शाला में हुई। इसके बाद उसका चयन एकलव्य विद्यालय सरना के लिए हुआ। 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा चंचल ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। दोनों ही कक्षाओं में वे स्कूल में टॉपर रहीं। चंचल ने जगदलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से सिविल ब्रांच से इंजीनियरिंग करके वर्ष 2021-22 में बीई किया, इसके बाद पीएससी की तैयारी में जुट गई। पहली बार सीजी पीएससी की प्री परीक्षा दी लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। पिता ने बेटी को हताश नहीं होने दिया और कुछ जमीन बेचकर कोचिंग के लिए बिलासपुर भेज दिया। बेटी ने भी पिता के इस प्रयास को विफल नहीं होने दिया और सीजी पीएससी 2024 की परीक्षा में प्री के साथ मेन्स क्लियर करके साक्षात्कार तक का सफर पहली बार तय किया, वे डिप्टी कलेक्टर बनेंगी। इनकी छोटी बहन वर्तमान में अंबिकापुर कॉलेज से बीएससी कर रही हैं, वहीं छोटा भाई एकलव्य विद्यालय घंघरी में कक्षा 11वीं का छात्र है।

सीजीपीएससी का परिणाम 20 नवम्बर की रात को जारी कर दिया गया है, जिसमें सरगुजा जिले में सीतापुर ब्लॉक के काराबेल की सब्जी बेचने वाले किसान रघुवर पैकरा व मां कुंतिला पैकरा की बेटी चंचल पैकरा ने सीजीपीएससी 2024 में अनुसूचित जनजाति वर्ग में टॉप, पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं सरगुजा के मंयक मंडावी ने एसटी कटेगरी में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। दोनों के रैंक के हिसाब से उन्हें डिप्टी कलेक्टर पद मिलेगा। चंचल पैकरा ने पहली बार पीएससी मेन्स की परीक्षा दी थी। इनके माता-पिता किसान हैं और सब्जी भी बेचते हैं। बताया जा रहा बेटी की पढ़ाई के लिए किसान ने अपनी जमीन तक बेच दी है। बीई सिविल चंचल पैकरा का ओव्हर ऑल रैंक 204 है। चंचल इसके पहले एक बार पीएससी प्री की परीक्षा दी थी। सफल नहीं होने पर कोचिंग की और प्री के बाद मेन्स निकाला। मयंक वर्तमान में जीएसटी इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थ हैं।

जीएसटी इंस्पेक्टर मयंक अब बनेंगे डिप्टी कलेक्टर

सीजी पीएससी 2024 में सरगुजा जिले के सीतापुर निवासी मयंक मंडावी को एसटी कटेगरी में दूसरा रैंक मिला है, वे भी डिप्टी कलेक्टर बनेंगे। मयंक सीतापुर के कटनईपारा निवासी वन विभाग के कर्मचारी रमेश सिंह मंडावी के पुत्र हैं, इनकी मां देवमती सिंह हाउस वाइफ हैं। मयंक मंडावी को ओव्हर ऑल कैटेगरी में 210वां स्थान प्राप्त हुआ है। इसके पहले भी वे सीजीपीएससी क्लीयर कर चुके हैं। शुरू से ही मेधावी रहे मयंक वर्तमान में जीएसटी इंस्पेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने पुन: सीजीपीएससी 2024 की परीक्षा दी और एसटी कटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया। इनकी सफलता से पूरा परिवार हर्षित है।

सीतापुर के प्रसून गुप्ता को मिला 36 वां रैंक

सीजी पीएससी 2024 में सीतापुर क्षेत्र के ही प्रसून गुप्ता ने 36वां रैंक हासिल किया है, वे डीएसपी बन सकते हैं। इनके पिता सुखसागर गुप्ता सेवानिवृत प्रधान पाठक और मां मंजू लता गुप्ता शिक्षिका हैं। इनके बड़े भाई नीरज गुप्ता भी शिक्षक हैं। कठिन मेहनत की बदौलत इन्होंने इस मुकाम तक का सफर तय किया है, जिससे परिवार में खुशी का माहौल है।

टॉप टेन अभ्यर्थियों में ये हैं शामिल

बता दें कि राज्य सेवा परीक्षा के लिए आयोग ने नवंबर 2024 में 246 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। इनमें डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जिला रोजगार अधिकारी, पुलिस सेवा और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के पद शामिल रहे। परीक्षा का प्रारंभिक चरण फरवरी माह में संपन्न हुआ था, इसके बाद मुख्य परीक्षा 26 से 29 जून के बीच हुई। मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों में 643 को साक्षात्कार हेतु बुलाया गया था, इसके बाद अंतिम चयन सूची जारी की गई है। इसमें टॉप टेन में प्रथम देवेश प्रसाद साहू ने 773 अंक, द्वितीय स्वप्निल वर्मा ने 769.5 अंक, तृतीय यशवंत कुमार देवांगन ने 769 अंक, चतुर्थ स्थान प्राप्त पोलेश्वर साहू ने 767 अंक, पंचम पारस शर्मा ने 758 अंक व छठवें स्थान पर रहीं शताक्षी पाण्डेय ने 756.5 अंक हासिल किया है। अंकुश बनर्जी, सृष्टि गुप्ता, प्रशांत वर्मा और सागर वर्मा ने भी टॉप टेन में अपनी जगह बनाई है।

खीस्त राजा पर्व कल, निकलेगी भव्य शोभायात्रा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खीस्त राजा पर्व का आयोजन 23 नवम्बर, रविवार को प्रात: 7 बजे से संत जेवियर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में संपन्न होगा; इसमें मुख्य अनुष्ठाता अन्तोनिस बड़ा, डी.डी. विशप अंबिकापुर धर्मप्रान्त, सह अनुष्ठाता फादर जार्ज ग्रे कुजूर पल्ली पुरोहित महागिरजाघर नवापारा, फादर एल्फिज पल्ली पुरोहित संत इग्नासियुस चर्च नमना, फादर सतीश कच्छप पल्ली पुरोहित संत अन्तोनी चर्च सरगवां तथा सहयोगी पुरोहितगण होंगे।

खीस्त राजा के आदर में शोभायात्रा अंबिकापुर के नवापारा स्थित महागिरजाघर प्रांगण से प्रात: 7 बजे निकलेगी, जो गांधी चौक, घड़ी चौक, संगम चौक, महामाया चौक, गुरूद्वारा, गुदड़ी बाजार चौक, जोड़ा पीपल, आकाशवाणी चौक, उर्सलाइन से होते सेंट जेवियर्स उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में पहुंचेगी। तत्पश्चात् धर्माध्यक्ष डॉ. अन्तोनिस बड़ा के कर कमलों से पवित्र यूखरिस्तीय बलिदान कार्यक्रम सम्पन्न होगा। कार्यक्रम में उद्घोषक फादर माइकल तिर्की होंगे, संगीत संचालन नमना पल्ली के द्वारा किया जाएगा। तीनों पल्लियों नमना के लिए झंडे का रंग लाल, नवापारा के लिए आसमानी नीला व सरगवां के लिए सफेद होगा। प्रत्येक पारा से भक्तजन ताजिया तैयार कर जुलूस में भाग लेंगे, जिसका मूल्यांकन सिस्टर जॉर्जिना होली क्रॉस हॉस्पिटल, सिस्टर शांति केरकेट्टा सेंट जोसेफ नमनाकला तथा फादर इमिलियुस एक्का नमनाकला के द्वारा किया जाएगा। ताजिया मंच के दाएं में रखा जाएगा।

इन्हें पहले मिलेगा प्रवेश

चलने में असमर्थ बुजुर्ग माता पिता तथा छोटे बच्चों के साथ शामिल माता या पिता को जुलूस से पहले सेंट जेवियर परिसर में प्रवेश दिया जाएगा।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पोषण आहार से वंचित, कागजों में चल रहा आंगनबाड़ी केंद्र

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। सरगुजा जिले को कुपोषण से मुक्त करने जहां शासन कई योजनाएं संचालित कर रही है, वहीं लखनपुर विकासखंड में एक जगह ऐसा भी है जहां राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पहाड़ी कोरवा जनजाति परिवारों के गर्भवती माताओं व बच्चों को पोषण आहार नहीं मिलने से बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। यहां आंगनबाड़ी केंद्र केवल कागजों में ही संचालित है, पोषण आहार भी कागजों में ही बांटकर लोगों को कुपोषण से मुक्त करने की बात कही जा रही है।

पूरा मामला सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम रेम्हला राईभवना आंगनबाड़ी केंद्र का है। इस आंगनवाड़ी केन्द्र में कार्यकर्ता पूजा यादव तथा सहायिका अनुराधा लकड़ा पदस्थ हैं। केंद्र में विशेष आरक्षित बच्चों की दर्ज संख्या 20 के करीब है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूजा यादव के मायके में निवास करने और सहायिका अनुराधा लकड़ा को परियोजना अधिकारी के द्वारा मौखिक रूप से भूरकुड़वा आंगनवाड़ी केंद्र में अटैच किए जाने की वजह से राईभवना का यह आंगनबाड़ी कई हफ्तों तक नहीं खुल पाता है। आंगनवाड़ी के नहीं खुलने से विशेष आरक्षित जनजाति के परिवार की गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों को गर्म भोजन, रेडी-टू-ईट सहित पोषण आहार की समय पर नहीं मिल पाता है, जिससे यहां के बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने विशेष आरक्षण प्राप्त इन जनजातियों के पोषण के लिए कई सारी योजनाएं संचालित की हैं, वावजूद अधिकारियों तथा स्थानीय स्तर के आंगनबाड़ी कर्मचारियों की लापरवाही व उदासीनता भरे रवैये के कारण इन योजनाओं का लाभ इन विशेष आरक्षण प्राप्त जनजातियों के परिवारों व उनके बच्चों को नही मिल पा रहा है। अब देखने वाली बात होगी की यहां निवास करने वाले विशेष आरक्षित पहाड़ी कोरवा जनजाति के लोगों को आंगनवाड़ी केन्द्रों से गर्म भोजन, रेडी-टू-इट और पोषण आहार मिल पाएगा या फिर शासन के कुपोषण दूर करने के सारे प्रयास केवल आंगनवाड़ी के रजिस्टरों और परियोजना कार्यालय के दस्तावेजों तक हो सिमट कर रह जाएंगे।

तीन बच्चे गंभीर कुपोषित

राईभवना स्थित आंगनबाड़ी केंद्र अंतर्गत पहाड़ी कोरवा जनजाति के 6 माह से 3 वर्ष तक के दो व 3 वर्ष से 6 वर्ष तक एक गंभीर कुपोषित बच्चा है।

सुपरवाइजर ने कहा-बाहर जा रही हूं

सुपरवाईजर अनीता क्रस से फोन से बात करने पर उन्होंने कहा कि वे अंबिकापुर अपने काम से आई हैं, और बाहर जा रही हैं। आंगनवाड़ी केंद्र के नियमित संचालन के सवाल पर उन्होंने कुछ भी कहने से साफ इन्कार कर दिया, और सोमवार को बाहर से आने के बाद बात करने की बात कही।

दो दिन पहले खोली थी आंगनबाड़ी केंद्र

राईभवना आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका अनुराधा लकड़ा ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूजा यादव अपने मायके ग्राम बकमेर से आना-जाना करती हैं। दो दिन पूर्व आंगनबाड़ी केंद्र उनके द्वारा खोला गया था। परियोजना अधिकारी द्वारा उन्हें भूरकुड़वा आंगनवाड़ी केंद्र में अटैच कर दिया गया है। विशेष संरक्षित जनजाति के लोगों को पोषण आहार नहीं मिलना वह स्वीकार की।

मैं बयान देने के लिए अधिकृत नहीं हूं, इसलिए कुछ नहीं कह सकता। मैं पूरे मामला को दिखवाता हूं।

असीम शुक्ला
परियोजना अधिकारी

सरगुजा जिले की डीसीपीयू और सीडब्ल्यूसी टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रथम स्थान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एवं छत्तीसगढ़ राज्य बाल आयोग अध्यक्ष वर्णिका शर्मा के मुख्य अतिथि में 19 नवंबर को होटल कोर्टयार्ड मेरिएट रायपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन यूनिसीईएफ एवं सीईएसी द्वारा संयुक्त रूप से उमंग फोस्टर केयर राज्य स्तरीय सम्मेलन एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश भर से आए अधिकारियों, विशेषज्ञों और जिला स्तरीय टीमों और फ़ॉस्टर परेंट्स ने भाग लिया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सभी जिलों के फोस्टर केयर कार्यों की समीक्षा एवं प्रगति को देखते हुए सरगुजा जिले की डीसीपीयू और सीडब्ल्यूसी टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए मुख्य अतिथियों के द्वारा दो महत्वपूर्ण श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार वितरित किया गया। पहली श्रेणी में सर्वाधिक प्रगति एवं सर्वाधिक फोस्टर केयर प्लेसमेंट हेतु सरगुजा को प्रथम सम्मान प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट में सरगुजा जिले ने सबसे अधिक फोस्टर केयर प्लेसमेंट, समयबद्ध केस मैनेजमेंट, निरंतर होम विज़िट तथा अभिभावक तैयारी जैसे क्षेत्रों में सबसे उत्कृष्ट कार्य किया।

इस उपलब्धि पर सरगुजा की डीसीपीयू और सीडब्लूसी टीम को मंच से प्रथम सम्मान प्रदान किया गया। दूसरी श्रेणी में सामुदायिक स्तर पर प्लेसमेंट करने के लिए विशेष पुरस्कार सरगुजा को प्राप्त हुआ, जिसमें फोस्टर केयर मोडल को समुदाय आधारित बनाने की दिशा में सरगुजा जिले ने प्रभावी नवाचार अपनाए। समुदाय के भीतर सुरक्षित परिवारों की पहचान, स्थानीय स्तर पर अभिभावकीय प्रशिक्षण, सामाजिक समर्थन तंत्र को मजबूत करने जैसे प्रयासों ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। इन प्रयासों के लिए सरगुजा जिले की डीसीपीयू टीम को राज्य स्तर पर एक विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग के संचनालय वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। डीसीपी यूनिट सरगुजा ने बताया कि विभागीय राज्य स्तर पर संचनालय का समय-समय पर विशेष मार्गदर्शन व जिला कार्यक्रम अधिकारी सरगुजा का मार्गदर्शन व सहयोग मिला।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष ने किया राज्य स्तरीय 'आवास मेला 2025' के लोगो का अनावरण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा राज्य के नागरिकों को आवासीय योजनाओं की संपूर्ण जानकारी एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु राज्य स्तरीय आवास मेला 2025 का आयोजन 23, 24 एवं 25 नवंबर को रायपुर के शंकर नगर स्थित टीडब्ल्यूसी ग्राउंड में किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को मेले के लोगो (प्रतीक चिन्ह) का अनावरण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव द्वारा गृह निर्माण मंडल मुख्यालय में किया गया।

इस अवसर पर हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त अवनीश शरण (आईएएस) सहित मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्यक्ष तथा ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ आवास उपलब्ध कराना गृह निर्माण मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता

है। 'आवास मेला 2025' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां मंडल की विभिन्न आवासीय योजनाओं और संपत्तियों की जानकारी एक ही स्थान पर नागरिकों को प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल राज्य के विभिन्न स्थानों में लगभग 2000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ कर रहा है। इनके सहयोग और नेतृत्व से मंडल प्रभावी रूप से आवास योजनाओं का क्रियान्वयन कर पा रहा है। आवास मेले में नागरिकों की सुविधा हेतु आवंटी पोर्टल का शुभारंभ भी किया जाएगा। मेले में हितग्राही मात्र एक प्रतिशत राशि जमा करके भवन बुक करा सकेंगे। साथ ही रायपुर, नवा रायपुर एवं आसपास की परियोजनाओं के साइट विजिट की विशेष व्यवस्था रहेगी। घर खरीदने के इच्छुक नागरिकों के लिए विभिन्न बैंकों द्वारा लोन सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। निर्माण सामग्री एवं मानकों की जानकारी के लिए मेले में अनेक प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का स्टॉल विशेष रूप से घर निर्माण में गुणवत्ता संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेगा। हितग्राहियों के लिए घर का पंजीयन करने पर विशेष उपहार भी प्रदान किया जाएगा। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवास मेला 2025 में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने सपनों के घर को साकार करने का अवसर प्राप्त करें।

मेड़ तोड़ने और पेड़ उखाड़ने करने से मना करने पर मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोर्ट से रोक लगी भूमि में जेसीबी लगाकर तोड़फोड़ कर रहे लोगों को मना करने पर गालीगलौज देते हुए मारपीट करने का मामला सामने आया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने पांच नामजद सहित अन्य आरोपियों के विरूद्ध नामजद केस दर्ज करके विवेचना में लिया है। सरोज अहमद ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 19-20 नवम्बर की दरम्यानी रात करीब 12.30 बजे उनका ट्रेक्टर ड्रायवर विकास फोन करके बताया कि लुचकी कांतिप्रकाशपुर की जमीन में घर के पीछे लगे पेड़, पानी पाइप, मेढ़ को हसमत अंसारी, शारीक, अर्स, दौलत साहु, अताउल अंसारी सहित अन्य के द्वारा जेसीबी लगाकर तोड़-फोड़ किया जा रहा है। इसकी सूचना मिलने पर वे अपने भतीजा फैजान अहमद, नोमान अहमद के साथ ग्राम लुचकी कांतिप्रकाशपुर गए तो उनके स्वामित्व की जमीन में घर के पीछे लगे बड़े-बड़े पेड़, पानी पाइप, ड्रीप, करीब 70 साल पुराना मेढ़ को जेसीबी से हसमत सहित अन्य के द्वारा उखड़वाया जा रहा था। जमीन पर कोर्ट के द्वारा स्टे दिए जाने का हवाला देते हुए इन्हें तोड़फोड़ करने से जब उन्होंने मना किया तो सभी नाराज होकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ, मुक्का व डण्डा से मारपीट करने लगे। रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सीएनई सेल ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अंबिकापुर के सी.एन.ई. सेल ने गठन के मात्र एक वर्ष के भीतर उत्तराखंड, नैनीताल में आयोजित तीन दिवसीय विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत कर अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। इस सम्मेलन में दीपिका तिर्की नर्सिंग सिस्टर, प्रिया परीडा एवं संगीता सिंह स्टाफ नर्स ने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। देश-विदेश के विभिन्न संस्थानों से आए विशेषज्ञों ने भारत में स्वास्थ्य सेवा को सशक्त करने हेतु बहुविषयक दृष्टिकोण पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। डब्ल्यू.एच.ओ. के सहयोग से पाल ग्रुप नैनीताल द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर पर भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं व्यवहारिक बनाने हेतु उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। अधिष्ठाता तथा अस्पताल अधीक्षक एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दक्षिण पूर्व एशिया में सहयोग के लिए नियुक्त क्षेत्रीय नर्सिंग लीड, रूपा रावत तथा संगवारी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. योगेश्वर कलकोंडे के मार्गदर्शन में तैयार किए गए शोध पत्र को प्रिया परीडा द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। अस्पताल प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय मंच पर शोध पत्र प्रस्तुति संस्थान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रहा है। प्रिया परीडा ने एम्पोवेरिंग फॉर ट्रांस-डिसिप्लिनरी केयर फॉर प्रोफेशनल्स थ्रू कंटीन्यूअस इन-सर्विस एजुकेशन, क्वालिटी केयर डिलीवरी एट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल अंबिकापुरष् विषय पर अपना शोध प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति इस बात का संकेत है कि निरंतर नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) के माध्यम से नर्सिंग एवं स्वास्थ्य कर्मियों की दक्षता बढ़ाकर संस्थान में उपचार और देखभाल की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल छत्तीसगढ़ का पहला ऐसा संस्थान है, जहां औपचारिक सी.एन.ई. सेल का गठन किया गया है। इस सेल के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में नए परिवर्तन, मरीज केन्द्रित संवेदनशील देखभाल, पेशेवर दक्षता, तथा सकारात्मक व्यवहार के लिए नर्सिंग स्टाफ को नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस उपलब्धि पर अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या ने टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए गौरव का विषय है, बल्कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। उन्होंने कर्मचारियों को प्रशिक्षित करते हुए संस्थान को नई दिशा में आगे बढ़ाने पर बल दिया।

जिले में अब तक 9371.60 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ हो गया है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं।

जिले में अब तक 20 समितियों में किसानों से कुल 9371.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, जिसमें धान खरीदी केन्द्र कुसमी में 20 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार जवाहरनगर में 26.40, कामेश्वरनगर में 1969.20, चांदों में 152, जमड़ी में 20, तातापानी में 510, धंधापुर में 168.80, बरतीकला में 28.80, बरदर में 150.40, बरियों में 201.60 बलंगी में 101.20, बलरामपुर में 40, भंवरमाल में 2357.20, रामानुजगंज 193.60, महाराजगंज में 203.60, महावीरगंज में 189.60, विजयनगर में 1132, रघुनाथनगर में 303.20, विरेन्द्रनगर में 1521.20 एवं सरना में 82.80 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

किसानों को सुविधा देना प्रशासन की प्राथमिकता

कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि जिले में धान खरीदी की व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उपार्जन केंद्रों में बारदानों की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने समिति प्रबंधकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी किसान के लिए तौल में अनावश्यक विलंब न हो।

कलेक्टर ने की अपील

कलेक्टर ने किसानों से अनुरोध किया है कि वे अपने पंजीयन के अनुसार निर्धारित तिथि और समय पर ही धान लेकर आएँ तथा मानक गुणवत्ता के अनुरूप धान विक्रय करें, ताकि खरीदी कार्य व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से जारी रहे।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से खुश हुए किसान

जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी की जा रही है। किसान प्रसन्नता के साथ धान खरीदी केन्द्रों में पहुंचकर धान विक्रय कर रहे हैं। विकासखंड बलरामपुर के धान खरीदी केंद्र बड़कीमहरी में अपना धान विक्रय करने पहुंचे ग्राम नवाडीहकला के किसान श्री बरथोलोमी एक्का ने बताया कि वह 10 एकड़ में खेती करते हैं। इस वर्ष पैदावार भी अच्छी हुई है। उन्होंने बताया कि वह इस बार 295 क्विंटल धान विक्रय कर रहे हैं। पहले टोकन में उन्होंने 28 क्विंटल धान बिक्री के लिए लाए हैं। उन्होंने बताया ऐप के माध्यम से 28 क्विंटल धान विक्रय का टोकन प्राप्त किया था। जिसके तहत आज वह अपना धान विक्रय करने धान खरीदी केंद्र बड़कीमहरी पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि धान उपार्जन केन्द्र बड़कीमहरी में किसानों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई है। जिससे यहां धान खरीदी का कार्य निरंतर सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार किसानों के हित में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्रदान किया जा रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। श्री बरथोलोमी एक्का ने बताया कि पिछले दो वर्षों से धान का बेहतर मूल्य मिलने के कारण उन्होंने अपने खेतों में सिंचाई सुविधा का विस्तार किया है, जिससे खेती के लिए पानी की पर्याप्त व्यवस्था बन पाई है। किसानों के हित में किए जा रहे निरंतर प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

एसआईआर को लेकर जनप्रतिनिधि कर रहे मदद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बिहार के बाद अब छत्तीसगढ़ समेत बारह राज्यों में चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआईआर शुरू किया गया है।छत्तीसगढ़ में भी इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। जहां बीएलओ द्वारा घर घर पहुंचकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र का वितरण कर उसे भरने की प्रक्रिया समझाई जा रही है।नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर में आगामी दिनों में चुनाव होना है, ऐसे में यहां क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा वार्डवार मतदाताओं को गणना पत्रक को सही तरीके से भरकर जमा करने की समझाइश दी जा रही है। इसके लिए विधिवत नगर पंचायत कार्यालय में बीएलओ को बैठाकर एक एक मतदाताओं को गणना पत्रक सही तरीके से भरने की समझाइश दी जा रही है। इस कार्य में आगामी दिनों में अध्यक्ष पद के सम्भावित उम्मीदवारों के साथ साथ वार्डों से पार्षद का चुनाव लड़ने की मंशा रखने वाले जनप्रतिनिधि विशेष रूप से सक्रिय हैं और वे मतदाताओं को गणना पत्रक को सही सही भरने और तय समय में जमा करने की ताकीद कर रहे हैं। एसआईआर के कार्य में यह भी देखा जा रहा है कि बीएलओ आज पर्यंत तक कई घरों में गणना पत्रक का अब तक वितरण नहीं किया है, जिससे लोग परेशान हैं। गांव गांव में तो हालात यह है कि कई लोग गणना प्रपत्र को भरने रुचि ही नहीं दिखा रहे हैं जबकि कई लोग गणना प्रपत्र को भरने को लेकर परेशान हैं। कुल मिलाकर अभियान पहले चरण में पूरा होगा, इसकी उम्मीद कम दिखाई दे रही है। चार नवंबर से चार दिसंबर तक प्रथम चरण में एसआईआर का कार्य पूरा किया जाना है। प्रचार प्रसार के बगैर आनन फानन में शुरू किए गए एसआईआर के कार्य को लेकर लोगों में विशेष उत्साह नहीं दिख रहा है। एसआईआर के क्रियान्वयन को लेकर पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह द्वारा भी नगर पंचायत शिवनंदनपुर में सतत निगरानी की जा रही है।

बस्तामुक्त विद्यालय में नवप्रवेशी 30 बच्चों को ड्रेस कोड के स्वेटर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में नवप्रवेशी बच्चों को स्वेटर वितरण सुरजपुर बीईओ हरेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। अन्य अतिथियों में सरपंच सुमित्रा सिंह, एनवति राजवाड़े अध्यक्ष एसएमसी, गुड्डी बाई विश्वकर्मा उपाध्यक्ष एसएमसी, विजेंद्र लाल जायसवाल शैक्षिक समन्वयक तथा शिव विश्वकर्मा उपस्थित थे। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि क्षेत्र में पड़ रही कड़ाके की ठंड के मद्देनजर संस्था प्रमुख द्वारा बिश्रामपुर के समाजसेवी गुरमीत सिंह बग्गा से इस वर्ष के नवप्रवेशी बच्चों के लिए एक कलर की डार्क ब्लू स्वेटर मांग की गई थी, जिसे गुरमीत सिंह बग्गा द्वारा स्वीकार करते हुए 30 नग स्वेटर संस्था को उपलब्ध कराई गई। समाजसेवी बग्गा द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के लिए ड्रेस कोड अनुरूप स्वेटर उपलब्ध कराए गए। इन स्वेटर पर विद्यालय मोनो लगाकर आज वितरित की गई।

स्वेटर मिलने से एक ओर जहां बच्चों में खुशी दिखी वहीं दूसरी ओर बच्चों को ठंड और बिमारी से बचाया जा सकेगा। बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय पढ़ने आने में सुविधा होगी और प्राइवेट विद्यालय के तर्ज पर स्कूल ड्रेस कोड अपनाकर प्राइवेट विद्यालय में ना पढ़ पाने का मलाल भी बच्चों के मन से दूर होगी। इस दौरान शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता, सुमित्रा राजवाड़े, नान दईया, फुलेश्वरी राजवाड़े, कौशिल्या राजवाड़े, फूलकुवंर राजवाड़े व अन्य उपस्थित थे।

रकबा के आधार पर मिलेगा टोकन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी निर्धारित की गई है। जिसमें धान खरीदी व्यवस्था को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने किसानों के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यम से टोकन जारी कर धान खरीदी किया जा रहा है। तुंहर मोबाइल एप के माध्यम से भी ऑनलाईन टोकन जारी की जा रही है। जिसमें किसान स्वयं एप के माध्यम से टोकन काट सकते हैं।

वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर का परिणाम रहा उत्कृष्ट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग के डायरेक्टर विजयराज अग्रवाल ने बताया कि मुख्य परीक्षा में कुमारी आफरीन ने 81.74 प्रतिशत अंक प्राप्त करके संस्था का गौरव बढ़ाया है। इसके अलावा 17 विद्यार्थियों ने 70 से 80 प्रतिशत और 12 विद्यार्थियों ने 60 से 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षक शिक्षिकाओं की मेहनत एवं विद्यार्थियों के अथक परिश्रम के चलते सभी विद्यार्थियों ने अच्छे अंक लाकर प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया है। भारतीय नर्सिंग परिषद में जबसे सेमेस्टरवाइस परीक्षा लेने का निर्णय लिया है, वह विद्यार्थियों के लिए तैयारी करने करने के उद्देश्य से और भी प्रभावी सिद्ध हो रहा है। सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली के बहुत से लाभ नजर आ रहे हैं। सालभर में

लगातार मुल्यांकन और प्रतिक्रिया, पाठ्यक्रम के बोझ में कमी और विद्यार्थियों के लिए नियमित अध्ययन की आदतें विकसित हो रही हैं। विद्यार्थियों को बेहतर विषय समझ और कौशल विकास में मदद करती है। इसका परिणाम यह हुआ है कि टीचर्स और विद्यार्थियों के बीच बेहतर सहभागिता बढ़ी है, जिसका परिणाम बहुत अच्छे आए हैं। ये सार्थक मेहनत का प्रतिफल है। उन्होने कालेज के प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं से आग्रह किया कि विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन दें, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा और आने वाले वर्षो में ऐसे ही उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दृष्टिगोचर होगें।

अवैध रेत उत्खनन व परिवहन करते पाए जाने पर 01 टिपर वाहन जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले में खनिज के अवैध उत्खनन को रोकने के लिए उत्खनन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। जिसके तहत् राजस्व टीम द्वारा अवैध उत्खनन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर श्री देवेंद्र प्रधान के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा अवैध उत्खनन व परिवहन करने वालों पर कार्यवाही की गई। टीम के द्वारा ग्राम सिंगचौरा में महान नदी में रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर टिपर वाहन को जब्त किया गया है। इस दौरान नायब तहसीलदार श्रीमती कावेरी मुखर्जी, पटवारी सहित राजस्व की टीम मौजूद रही।

अपर कलेक्टर ने किया अंतर्राज्यीय नाके का निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए जिले में धान खरीदी प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। पारदर्शी खरीदी व्यवस्था, अवैध धान की रोकथाम पर शासन-प्रशासन द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा कई स्तरों पर तैयारी एवं निगरानी की जा रही है।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने प्रशासनिक अमले को पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करने के साथ ही उन्होंने विशेष रूप से जिले की सीमाओं से लगे राज्यों झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमाओं पर सतत निगरानी रखने तथा अवैध धान का परिवहन, भण्डारण करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर के निर्देश पर जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार, उड़नदस्ता दल, तथा नोडल अधिकारी सक्रिय रूप से निगरानी में जुटे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों एवं नाका, चेक पोस्टों पर पुलिस और राजस्व अमले द्वारा 24 घंटे की निगरानी रखी जा रही है, ताकि कोई भी व्यापारी या बिचौलिया अवैध रूप से धान का परिवहन न कर सके।

इसी कड़ी में अपर कलेक्टर श्री आर.एन. पांडेय ने धनवार स्थित अंतर्राज्यीय नाके का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी, खनिज तथा आरटीओ नाके में रखी गई रसीद पुस्तिकाओं की जांच की और उपस्थित कर्मचारियों की हाजिरी का सत्यापन किया।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री पांडेय ने नाके पर तैनात कर्मियों से सीमा पर आवागमन की गतिविधियों और वाहन जांच प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मंडी नाके के प्रभारी को निर्देश दिया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अपर कलेक्टर ने सतर्क ऐप के माध्यम से प्राप्त संदिग्ध वाहन अलर्ट के त्वरित निराकरण के लिए भी स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण नाकों पर सतर्कता और निरंतर निगरानी आवश्यक है, सभी अधिकारी निर्धारित समय पर उपस्थित रहें और वाहन जांच को पूरी गंभीरता से संपन्न करें। उन्होंने सभी नाका कर्मचारियों को अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु सतत निगरानी रखने तथा शासन के निर्देशों का पूर्णत: पालन करने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर नीरनिधि नंदेहा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बिश्रामपुर में तैयार अटल परिसर का लोकार्पण कल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत बिश्रामपुर के विकास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। नगर के पार्क परिसर में लगभग 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल परिसर अब पूरी तरह तैयार है और इसका लोकार्पण 23 नवंबर रविवार को किया जाएगा। यह लोकार्पण मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा रायपुर से वर्चुअल माध्यम से किया जाएगा। नगरीय निकाय की अधोसंरचना मद से निर्मित यह अटल परिसर न सिर्फ नगर पंचायत बिश्रामपुर की पहचान बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय गतिविधियों, सामुदायिक कार्यक्रमों और

प्रशासनिक उपयोग के लिए भी एक बेहतर व सुव्यवस्थित स्थान के रूप में उभरेगा। आधुनिक मानकों के अनुरूप निर्मित इस परिसर में नागरिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है, जिससे यह आने वाले वर्षों में नगर के लिए एक बहुउपयोगी केंद्र सिद्ध हो सके। सबसे खास बात यह है कि बिश्रामपुर का यह लोकार्पण कार्यक्रम प्रदेश के बड़े आयोजन का हिस्सा बनेगा। छत्तीसगढ़ के 100 नगरीय निकायों में निर्माण कराए गए अटल परिसरों का लोकार्पण इसी दिन एक साथ किया जाएगा। ऐसे विशाल कार्यक्रम में शामिल होना बिश्रामपुर के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। नगर पंचायत बिश्रामपुर उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि अटल परिसर नगर में विकास की नई लकीर खींचेगा। लोकार्पण को लेकर नगर पंचायत प्रबंधन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है।

अंतर क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल अंतर क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला शनिवार 22 नवंबर को खेला जाएगा। तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन 21 नवंबर को खेल का शुभारंभ कंपनी महाप्रबंधक संचालन गिरीश कुमार राय, कंपनी स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य सुजीत कुमार सिंह एवं पूर्व नगर पंचायत बिश्रामपुर अध्यक्ष राजेश यादव द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। इस अवसर पर स्टॉफ ऑफिसर एचआर संजय कुमार शिंदे एवं प्रबंधक एचआर हरेंद्र तिवारी, राजेन्द्र कुमार गुप्ता, प्रदीप कुमार, विजय महाकुल सहित अन्य खेल प्रेमी उपस्थित थे। प्रतियोगिता के दूसरे दिन कुल चार टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश की हैं। जिस पर आज 22 नवंबर को सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेला जाएगा। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि निदेशक मानव संसाधन बिरंची दास होंगे। साथ ही कंपनी संचालन समिति के सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने सरकार प्रतिबद्ध : सीएम साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर में आयोजित ह्लछत्तीसगढ़ 25 साल बेमिसालह्व कार्यक्रम में शामिल हुए।इस अवसर पर उन्होंने राज्य की 25 वर्ष की स्वर्णिम विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की अहम भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने बस्तर सहित पूरे प्रदेश में विकास में बाधक नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। सुरक्षा कैंप स्थापित किए जाने से सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी विकास की पहुंच सुनिश्चित हुई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में किए

पंडुम जैसे आयोजनों के माध्यम से बस्तर की संस्कृति और प्रतिभा को दुनिया ने देखा है। बस्तर में शांति, समृद्धि और खुशहाली के नए युग का आरंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति हमारी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति पूरी दृढ़ता से लागू है।पूर्व में जो अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हुए, उस पर कड़ा प्रहार किया गया है, जिसका परिणाम भी सभी देख रहे हैं।उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने भूखमरी जैसे अभिशाप को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए थे, जिसके तहत गरीब परिवारों को अनाज उपलब्ध कराया गया। साथ ही, जरूरतमंद परिवारों को आज आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की लगभग सभी गारंटियों को पूरा कर दिया गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण चरण पादुका योजना को भी पुनः प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने नई उद्योग नीति के आकर्षक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश लगातार बढ़ रहा है। अब तक राज्य सरकार को पौने आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिससे आने वाले वर्षों में रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

बिजली बिलों की चिंता से मिली मुक्ति-प्रभाष

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का सीधे तौर पर लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है। इस योजना के तहत कुनकुरी निवासी एवं व्यवसायी प्रभाष कुमार जैन ने अपने घर की बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए पिछले महीने ही 5 किलोवाट सोलर पैनल स्थापित कराया है। श्री जैन कहते हैं कि यह योजना आम परिवारों के लिए बड़ी मददगार है– अब हमें भारी बिजली बिलों की चिंता नहीं रहेगी और घर में लगातार बिजली का उपयोग बिना बोझ के कर सकेंगे। इस सोलर प्रणाली की कुल लागत 3.50 लाख रुपए आई, जिसमें से उन्हें शासन की ओर से 78 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहायता से स्थापना की लागत में उन्हें पर्याप्त राहत मिली। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को इसके लिए धन्यवाद दिया है श्री जैन बताते हैं– हमारे घर में हर महीने लगभग 4,000 से 5,000 रुपये तक बिजली बिल आता था। सोलर पैनल लगने के बाद आने वाले महीनों में इस खर्च से काफी हद तक राहत मिलेगी। पिछले महीने ही यह व्यवस्था लगाई गई है और अब इसका लाभ धीरे-धीरे दिखने लगा है ह्लश्री जैन ने बताया कि योजना के बारे में जानकारी ऑनलाइन प्राप्त की। पूरी प्रक्रिया सरल होने के कारण उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई ।बता दें प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को स्वच्छ, सस्ती और निरंतर बिजली उपलब्ध कराना है। जिले में भी बड़ी संख्या में लोग इस योजना का लाभ लेकर अपने बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी ला रहे हैं।

सुव्यवस्थित और डिजिटल व्यवस्था से बढ़ा किसानों का भरोसा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।बेमेतरा के ग्राम करेसरा के किसान श्री भगवानी राम ने इस साल समर्थन मूल्य पर 80 क्विंटल धान बेचा है। राज्य शासन द्वारा धान खरीदी के लिए की गई सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी व्यवस्था से उन्हें अपना धान बेचने में कोई परेशानी नहीं हुई। धान उपार्जन केंद्र में पहुंचने पर तौल से लेकर भुगतान तक हर चरण में सुगम व्यवस्था के कारण भगवानी राम जैसे किसानों का व्यवस्था पर विश्वास और भी मजबूत हुआ है।डिजिटल टोकन, सुव्यवस्थित तौलाई, पारदर्शी गुणवत्ता परीक्षण तथा समय पर भुगतान की गारंटी किसानों की मेहनत को सही मूल्य दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भगवानी राम बताते हैं कि इस बार खरीदी केंद्र की व्यवस्था पहले से कहीं अधिक सुव्यवस्थित थी। लंबी लाइनों से मुक्ति, तौलाई में पारदर्शिता, समय पर टोकन, शेड, पीने का पानी और आराम जैसी सुविधाओं ने किसानों के लिए धान बेचने की प्रक्रिया को आसान और तनावमुक्त बना दिया है।80 क्विंटल धान बेचने से प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग भगवानी राम अपने परिवार और कृषि के विकास के लिए करना चाहते हैं। वे इस कमाई को खेती के लिए आधुनिक उपकरण खरीदने, अगली फसल के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज व उर्वरकों की व्यवस्था करने, सिंचाई सुविधाओं में सुधार तथा घर की जरूरतों व बच्चों की शिक्षा में निवेश जैसे कार्यों में उपयोग करने की योजना बना रहे हैं।

तीन दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड जिला स्तरीय तृतीय सोपान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भारत स्काउट एवं गाइड जिला स्तरीय तृतीय सोपान जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर स्काउट गाइड श्री अजय मिश्रा सर के आदेशानुसार एवं विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रतापपुर श्री एम. एस. धुर्वे के निर्देशन में एवं विकास खण्ड सचिव श्री प्रेम सिंधु मिश्रा के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा में संपन्न हुआ।

जिसमें तृतीय सोपान प्रथम दिवस पंजीयन एवं उद्घाटन व विभिन्न गतिविधियां कराया गया। जिसमें कैंप क्राफ्ट अनुमान लगाना प्राथमिक चिकित्सा तथा मैपिंग पायनियर बिना बर्तन भोजन हाइक एवं दल के साथ खेल द्वितीय दिवस सामुदायिक कार्य मानसभा दक्षता पदक सांस्कृतिक कार्यक्रम तृतीय दिवस सर्वधर्म प्रार्थना शंका समाधान कराया गया। समापन समारोह में संतोष कुमार भारती व्याख्याता बोझा जगरनाथ पैकरा एवम् उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा के सभी स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे,संतोष भारती छात्रो को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड में अनुशासन और चरित्र निर्माण के साथ-साथ बौद्धिक शारीरिक स्वास्थ्यगत जानकारी मिलता है साथ ही शुभकामनाएं दिए इसके पश्चात कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा एवं विद्यालय बोझा के स्काउट एवं गाइड के प्रतिभागी भाग लिए जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा के प्राचार्य परमेश्वर पैकरा एवं बोझा के प्रभारी प्राचार्य श्री संतोष भारती उपस्थित थे विकासखंड स्तरीय तृतीय सोपान शिविर के तीन दिवसीय शिविर में तृतीय सोपान तीन दिवसीय स्काउट गाइड का सफल संचालन उच्चतर माध्यमिक बोझा के व्याख्याता स्काउट गाइड प्रभारी एल.पी. तिवारी एवं सहयोगी के रूप में लोकेंद्र भगत द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।

विधायक सोनी को डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर ठगने की कोशिश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर ठगने की कोशिश की। दो दिन पहले उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आईबी का अधिकारी बताया और दावा किया कि उनके मोबाइल नंबर का उपयोग कश्मीर में हुई आतंकवादी घटना में हुआ है। विधायक ने बताया कि कॉल सुनकर वह पहले घबरा गए। बाद में उन्हें संदेह हुआ कि यह साइबर ठगी का प्रयास हो सकता है। उन्होंने तुरंत कॉल बंद किया और मामले की जानकारी एसएसपी और साइबर क्राइम सेल को दी। पुलिस उस नंबर की जांच कर रही है, जिससे कॉल आया था। घटना के बाद कांग्रेस ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह घटना दिखाती है कि अपराधी कितने बेखौफ हैं। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने भी इसे गंभीर मुद्दा बताया और चिंता व्यक्त की।

कांग्रेस विरोध के बाद भाजपा सरकार झुकी

200 यूनिट हाफ बिजली पर अजय गुप्ता बोले यह राहत नहीं,जनता के साथ छल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज/ छत्तीसगढ़ प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 200 यूनिट बिजली हाफ करने की घोषणा की है,लेकिन यह निर्णय किसी भी प्रकार से जनहित में लिया गया कदम नहीं है। यह कदम मात्र कांग्रेस पार्टी के द्वारा लगातार दबाव और जनता के बढ़ते आक्रोश के कारण उठाया गया हैं। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 400 यूनिट तक बिजली हाफ होती थीं जिसका सुविधा आम जनता को मिलती थी जिससे लाखों परिवारों को वास्तविक आर्थिक राहत मिलती थी।लेकिन भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही इस सुविधा को खत्म कर दिया और लगभग दो सालों तक जनता की गाड़ी कमाई लूटने के बाद अब आधी-अधूरी राहत देकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि- 200 यूनिट हाफ करना जनता के साथ छल है,राहत नहीं?

यह निर्णय जनता की पीड़ा को समझने के बजाय राजनीतिक समीकरण साधने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा सरकार पहले सुविधा छीनती है,फिर अधूरी राहत देकर वाहवाही लूटना

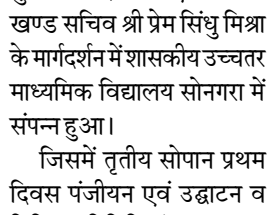

चाहती है। प्रदेश की भाजपा सरकार से मेरा आग्रह है कि - 400 यूनिट तक बिजली हाफ की सुविधा तुरंत लागू की जाए।जनता का पूरा हक उन्हें वापस मिले,आधे में नहीं टाला जाए। वर्तमान समय में जनता महंगी बिजली और बढ़ते बिलों से परेशान है। कांग्रेस पार्टी उनकी तकलीफ को भली-भांति समझती है और हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं।जब तक 400 यूनिट हाफ बिजली व्यवस्था बहाल नहीं होती,कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर संघर्ष को और तेज करेगी। अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि

कांग्रेस सरकार के निर्णय के अनुसार खपत जीतनी 400 यूनिट तक दाम आधा रहने की गारंटी होनी चाहिये। साथ ही बिजली के दामों में 4 बार में की गयी बढ़ोत्तरी को भी तुरंत वापस लिया जाये। उन्होंने आगे बताया कि हमारे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज जी के द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि बिजली के दाम में कटौती तथा 400 यूनिट तक बिजली के दाम आधा नहीं किया गया तो कांग्रेस दिसंबर में मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी। उनके द्वारा यह भी मांग किया गया है कि 30 नवंबर तक बिजली के दाम घटाए,400 यूनिट तक बिजली के दाम आधा किया जाय,व्ही स्मार्ट मीटर लगाना बंद करे,जहां लग चुका है वहां पुराना चेक मीटर लगा के उसकी चेकिंग की जाय की उसमें रीडिंग खपत से अधिक तो नहीं आ रही। बढ़े बिजली बिल ने आम जनता का बजट बिगाड़ दिया है। तीन महिने से आ रहे बेतहाशा बढ़ा बिजली बिल से राज्य का हर नागरिक परेशान है?

प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

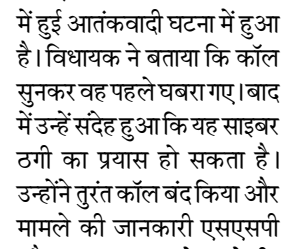

रायपुर।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर में आयोजित ह्लछत्तीसगढ़ 25 साल बेमिसालह्व कार्यक्रम में शामिल हुए।इस अवसर पर उन्होंने राज्य की 25 वर्ष की स्वर्णिम विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की अहम भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने बस्तर सहित पूरे प्रदेश में विकास में बाधक नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। सुरक्षा कैंप स्थापित किए जाने से सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी विकास की पहुंच सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में किए जा रहे प्रयासों से नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है और बस्तर अपने मूल स्वरूप में भयमुक्त होकर प्रदेश के विकास में बेहतर भागीदारी देगा। श्री साय ने कहा कि बस्तर ओलम्पिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों के माध्यम से बस्तर की संस्कृति और प्रतिभा को दुनिया ने देखा है। बस्तर में शांति, समृद्धि और खुशहाली के नए युग का आरंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति हमारी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति पूरी दृढ़ता से लागू है। पूर्व में जो अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हुए, उस पर कड़ा प्रहार किया गया है, जिसका परिणाम भी सभी देख रहे हैं।

योगेश प्रताप ने आईआईटी भिलाई में प्रोफेसर पद पर ज्वाइन किया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - सरगुजा अंचल के होनहार युवा डॉक्टर योगेश प्रताप सिंह ने अपने गृह राज्य की सेवा के लिए प्रतिष्ठित भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर के सीनियर रिसर्च एसोसिएट की नौकरी त्यागकर आई आई टी भिलाई में प्रोफेसर का पदभार ग्रहण कर लिया है उनका सपना गृह राज्य के आई आई टी को भारतीय विज्ञान संस्थान की तर्ज पर विकसित करने की है योगेश पी जी कालेज अम्बिकापुर के सेवानिवृत स्पोर्ट्स आफिसर एम डी सिंह के पौत्र एवं शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय अम्बिकापुर में कार्यरत सोमेन्द्र प्रताप सिंह तथा पूर्णिमा सिंह के पुत्र हैं उनके इस उपलब्धि पर परिवार एवं मित्रों में हर्ष व्याप्त है

बच्चों को सोचने की देनी होगी नई दृष्टि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज/बच्चों को नया दृष्टिकोण देना मतलब यह नहीं कि हम उन्हें आदर्शवादी कल्पनाओं में जीने दें। बल्कि उन्हें यह समझाना है कि समाज जटिल है, समस्याएँ वास्तविक हैं, लेकिन समाधान भी संभव हैं। उन्हें चुनौतियों को स्वीकार करना सिखाना है। माज परिवर्तन की सबसे कठिन, सबसे लंबी और सबसे महत्त्वपूर्ण यात्रा हमेशा अपने मूल में उन छोटे-छोटे बीजों से शुरू होती है, जिन्हें हम बच्चे कहते हैं।दुनिया की कोई भी क्रांति-विचारों की हो, नैतिकता की हो, तकनीक की हो या इंसानी मूल्यों की-तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह अगली पीढ़ियों के जीवन-दर्शन में अपनी जड़ें न जमा ले। यही कारण है कि बुद्ध, विवेकानंद, गांधी, टैगोर, नेल्सन मंडेला जैसे विचारकों ने मानव सभ्यता में किसी स्थायी परिवर्तन के लिए शिक्षा, संस्कार और बाल मानस की संवर्धन को सबसे महत्वपूर्ण आधार माना। आज जब समाज अनेक स्तरों पर मूल्य-संकट, हिंसा, असहिष्णुता, उपभोक्तावाद, कट्टरता और सामाजिक विघटन की चुनौतियों से गुजर रहा है, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो उठता है-क्या हम अपने बच्चों को वह दृष्टि दे पा रहे हैं, जिसके आधार पर वे वर्तमान से बेहतर भविष्य बना सकें? बच्चों के भीतर समाज को देखने का दृष्टिकोण केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं बनता, बल्कि परिवार, परिवेश, विचारों, संवाद, उदाहरणों और सबसे अधिक वयस्कों के व्यवहार से बनता है। बच्चा, दरअसल, समाज का सबसे संवेदनशील दर्पण होता है।

जिस प्रकार की भाषा,सोच,सह-अस्तित्व, सामाजिक व्यवहार ,संवेदनशीलता और दृष्टि वह अपने आस-पास देखता है, वही धीरे-धीरे उसके भीतर किसी अनलिखी किताब की तरह अंकित हो जाती है।यही कारण है कि यदि हम समाज को बदलना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने व्यवहार, अपने पारिवारिक वातावरण और अपने सामाजिक आचरण को बदलना होगा-क्योंकि बच्चा वही बनता है, जो वह देखता है; वही नहीं बनता, जिसे वह सुनता है। आज के समय में बच्चों के सामने समाज को समझने के दो बड़े स्रोत मौजूद हैं-एक परिवार, दूसरा डिजिटल दुनिया।दुर्भाग्य यह है कि दोनों में से किसी में भी वह स्पष्ट और संतुलित दृष्टि नहीं मिल पाती, जिसकी उसे आवश्यकता है। परिवारों में संवाद कम हो गया है, समय घट गया है और साथ बैठने की संस्कृति लगभग लुप्त होती जा रही है। वहीं डिजिटल दुनिया बच्चों को सूचना का असीमित सागर तो देती है, परंतु विवेक और दिशा का दीपक नहीं देती। ऐसे में बच्चे जानकारी तो बहुत पा लेते हैं, परंतु समझ की कमी के कारण वह जानकारी उनके भीतर भ्रम, असुरक्षा और अव्यवस्थित दृष्टिकोण पैदा कर देती है। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम बच्चों को समाज को देखने के लिए एक ऐसी दृष्टि दें जो संवेदनशील हो, विवेकपूर्ण हो, वैज्ञानिक हो, नैतिक हो और सबसे अधिक मानवतावादी हो। बच्चा यदि सीख जाए कि समाज केवल भीड़ नहीं, बल्कि व्यक्तित्वों का एक जीवंत तानाबाना है; कि हर व्यक्ति की अपनी संघर्ष-कथा है; कि हर निर्णय का कोई संदर्भ होता है; और कि सहानुभूति किसी भी सभ्यता का सबसे बड़ा आधार है-तो वह न केवल एक बेहतर नागरिक बनेगा, बल्कि समाज को भी बेहतर दिशा देगा। समाज परिवर्तन का यह बीज तभी पनप सकता है जब हम बच्चों को प्रश्न पूछना सिखाएं। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में बच्चों को प्रश्न पूछने से अधिक उत्तर रटने की आदत डाली जाती है। जबकि सच्चा ज्ञान, सच्चा चिंतन और सच्ची प्रगति वहीं से जन्म लेती है जहाँ प्रश्नों की स्वतंत्रता होती है। यदि बच्चा अपने घर, स्कूल और समाज में यह महसूस करे कि वह निडर होकर प्रश्न कर सकता है, विचार व्यक्त कर सकता है, असहमति जता सकता है, और गलतियों से सीख सकता है-तो उसके भीतर रचनात्मकता और मौलिकता विकसित होती है। यही रचनात्मकता समाज को आगे ले जाती है। अपने समाज को देखने का नया दृष्टिकोण बच्चों को तभी मिलेगा जब हम उन्हें विविधता को स्वीकार करना सिखाएँ। आज के समय में विभाजन, ध्रुवीकरण और एकांगी सोच के कारण समाज के भीतर खाइयाँ बढ़ रही हैं। बच्चे स्कूलों में साथ पढ़ते हैं, खेलते-कूदते हैं, लेकिन बड़े होने पर अक्सर उन दीवारों को अपना लेते हैं जो समाज ने खड़ी की होती हैं। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम बच्चों को यह समझाएँ कि विविधता समाज की कमजोरी नहीं,बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यदि वह यह समझ जाए कि हर संस्कृति, हर भाषा, हर परंपरा, हर विचार और हर व्यक्ति समाज की सामूहिक पहचान का हिस्सा है-तो वह न केवल एक बेहतर नागरिक बनेगा, बल्कि वह उन दीवारों को भी तोड़ पाएगा जो नफरत और संकीर्णता खड़ी करती हैं।

सम्पादकीय

विस्तारवादी चीन से हमेशा सतर्क रहने की जरूरत

हिन्दी की बहुत पुरानी कहावत है, चोर चोरी से जाए पर हेराफेरी से न जाए। ये हमारे पड़ोसी चीन पर पूरी तरह से फिट बैठती है। चीन चाहे भारत का मित्र होने के हजार दावे करे, लेकिन सच्चाई यही है कि जब भी उसे मौका मिलता है, वो अपनी नापाक हरकत करने से बाज नहीं आता। उसकी ऐसी ही एक करतूत का खुलासा अमेरिकी रिपोर्ट में हुआ है। इसमें दावा किया गया है कि आपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने राफेल की बिक्री रोकने के लिए फर्जी कैंपेन चलाया था। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के तुरंत बाद चीन ने फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए राफेल गिराने का दावा किया। चीन ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान हर संभव प्रयास किया कि किसी भी तरह से दुनिया के हथियारों को बेकार बताकर अपने जंगी जहाज बेचे जा सकें। एआई से बनाई गई नकली तस्वीरें फैलाई गईं, जिनमें दावा किया गया कि भारतीय राफेल को चीन के हथियारों ने गिराया है और यह उसके मलबे की तस्वीरें हैं। इशारा साफ था कि फ्रांस का राफेल चीन के जे-35 के सामने धराशायी हो गया। राफेल विमान फ्रांस की दसॉ एविएशन द्वारा बनाया गया दो इंजन वाला लड़ाकू विमान है। ये एक मिनट में 60,000 फीट की ऊंचाई तक पहुंच सकता है। इसकी रेंज 3700 किलोमीटर है। साथ ही यह 2200 से 2500 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। सबसे खास बात ये है कि इसमें मॉडर्न 'मिटिअर' मिसाइल और इजराइली सिस्टम भी है। जो दुश्मन की किसी भी हरकत का जवाब देने में सक्षम है, लेकिन चीन ने नकली वीडियो से इसे बेकार सबित करने का प्रयास किया। असल में चीन हर वो संभव प्रयास करता है, जिससे उसे आर्थिक रूप से लाभ हो। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ के बाद चीन-भारत के संबंधों में कुछ हद तक सुधार हुआ है। अब भी अहम सवाल यही है कि क्या चीन का भारत के प्रति वाकई कोई हृदय परिवर्तन हुआ है और अगर ऐसा हुआ है तो इसका कारण क्या है। बीते 12 वर्षों से चीन पर राज करते हुए तानाशाह राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मंशा पर ध्यान दें तो यह असंभव है कि उन्होंने एशिया और विश्व में चीन के वर्चस्व और विस्तारवाद का सपना रातोंरात त्याग दिया हो। चीन कभी भी अपनी विस्तारवादी मंशा को त्यागने को तैयार नहीं दिखता और पड़ोसी देशों के साथ विवादों में अपनी शक्ति एवं श्रेष्ठता के बलबूते हावी होने को कोशिश करता रहता है। भारत के अलावा एक दर्जन से अधिक देशों के साथ चीन के अनसुलझे क्षेत्रीय विवाद हैं और इन सभी के प्रति चीन ने दबंग व्यवहार अपनाकर धौंस दिखाता रहता है। शी जैसे कट्टर नेता का महाशक्ति बनने का महत्वाकांक्षी स्वप्न को भुला देना नामुमकिन सा है। चीन सपना केवल महाशक्ति बनाना ही नहीं, बल्कि अमेरिका को पछाड़कर विश्व का सबसे बड़ा दादा बनने की है। इसके बाद वो पूरी दुनिया को अपने हिसाब से चला सके। भारत एशिया में ही इसका सबसे बड़ा रोड़ा है। ऐसे में वो कब और कितना नुकसान कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता। इसलिए जरूरी है कि हम चीन को लेकर हमेशा सतर्क और सजग रहें और अपनी अर्थव्यवस्था को सेवा के साथ निर्माण क्षेत्र में भी गति दें तभी चीन से मुकाबला कर पाएंगे।

आतंकवाद

योगेश कुमार सोनी

> आतंकवादियों के सभी हमलों ने यह तो दर्शा दिया कि उनका नेटवर्क इतना मजबूत है कि वह अपने मंसूबों में हमेशा कामयाब हो जाते हैं। आतंकवादियों के लिए आतंक फैलाना हमेशा बड़ा व्यवसाय रहा है। उनके गुर्गों की ट्रेनिंग इतनी खतरनाक तरह से होती है कि वह अपनी जान की परवाह किए बिना किसी भी आतंकी घटना को अंजाम दे देते हैं। आतंकवादी संगठन मजहब के नाम पर हर रोज सैकड़ों युवाओं को दलदल में डालने का काम करते हैं। मजहब के नाम पर कुर्बान होने के लिए उनका जिस तरह माइंड वॉश किया जाता है वह बेहद आश्चर्यचकित करता है। सरकार को इसे समझते हुए बड़ी रणनीति की आवश्यकता है जिससे देशवासियों को धैर्य व विश्वास के साथ जिंदगी जीने को मिले।

शिक्षित वर्ग को शिकार बना रहे आतंकी

देश में आजादी से लेकर आज तक आतंकवाद नहीं रुक सका है। हालांकि इस बात में कोई दोराय नहीं है कि आतंकवाद पर शिकंजा कसने का सभी सरकारों ने अथक प्रयास किया है। हमारे देश में वर्ष 1980 से लेकर आज तक लगभग 125 बड़े हमले हो चुके हैं जिसमें हजारों लोग बेमौत मारे गए हैं। आतंकवादियों के सभी हमलों ने यह तो दर्शा दिया कि उनका नेटवर्क इतना मजबूत है कि वह अपने मंसूबों में हमेशा कामयाब हो जाते हैं। दरअसल, आतंकवादियों के लिए आतंक फैलाना हमेशा एक बड़ा व्यवसाय रहा है। उनके गुर्गों की ट्रेनिंग इतनी खतरनाक तरह से होती है कि वह अपनी जान की परवाह किए बिना किसी भी आतंकी घटना को अंजाम दे देते हैं। आतंकवादी संगठन मजहब के नाम पर हर रोज सैकड़ों युवाओं को दलदल में डालने का काम करते हैं। मजहब के नाम पर कुर्बान होने के लिए उनका जिस तरह माइंड वॉश किया जाता है वह बेहद आश्चर्यचकित करता है।

दिनों दिल्ली में हुए हमले को अंजाम देने वाले डॉक्टर जैसे पढ़े-लिखे पेशे का इस्तेमाल किया और यह एक लंबी कतार निकली। दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस में शामिल आतंकी लखनऊ की डॉ. शाहीन सईद बीते दशकभर से पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी थी। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार शाहीन 2015 में जैश से जुड़ी थी। एक डॉक्टर होने के बावजूद किसी के मन में इतना जहर कैसे हो सकता है। जबकि आप जिस देश में रह रहे हों और उसी देश के लिए इतनी बड़ी गद्दारी कर रहे हों। जांच में पता कि वर्ष 2021 में एक रिश्तेदार ने डॉ. शाहीन को पति, बच्चे और नौकरी छोड़ने पर जब टोका तो शाहीन ने कहा था- परिवार और नौकरी में क्या रखा है। अपने लिए बहुत जी लिए। अब कौम का कर्ज उतारने का समय है। इस वाक्य से बहुत कुछ तय हो जाता है चूंकि पूरी दुनिया में माना जाता है कि डॉक्टरी की पढ़ाई सबसे मुश्किल पढ़ाइयों में से एक है और वहीं दूसरी ओर यह लोगों की जान बचाने का भी पेशा है तो बेहद सम्मानित व पूजनीय भी है लेकिन बावजूद इसके, यदि ऐसे लोगों का मस्तिष्क बदला जा सकता है तो फिर किसी का भी संभव है। सवाल यही है कि आखिर इनके पास ऐसी कौन सी शक्ति है जो यह किसी को भी नियंत्रित कर लेती है। आखिर अमेरिका व अन्य शक्तिशाली देश भी इन पर नियंत्रण क्यों नहीं पा सके। आतंकी हमले में हमेशा आम आदमी ही मारा जाता रहा है और हजारों-लाखों लोग इसमें अपनी बिना वजह जान गंवा चुके। भारत सरकार ने अब तक 42 संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। हालांकि, विकिपीडिया के अनुसार दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल ने भारत में संचालित होने वाले 180 से अधिक आतंकवादी समूहों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें से कुछ पड़ोसी देशों में भी सक्रिय हैं। इस खेल में आश्चर्य की बात यह भी है कि हमारे देश में बैठे कुछ आस्तीन के सांप खुलेआम समर्थन भी करते हैं। कुछ वर्ष पूर्व जाकिर नाईक जैसे फर्जी धर्मगुरुओं ने धर्म परिवर्तन की खुले आम दुकान खोलकर लाखों युवाओं को आतंकवाद में धकेलने का काम किया। वहीं छांगुर बाबा जैसा फर्जी बाबा आतंकवाद समर्पित निकला और वह धर्मांतरण का बहुत बड़ा रॉकेट चला रहा था। हालांकि ऐसे और भी

बहुत सारे नाम हैं। इसके अलावा भी कितने ऐसे लोग व संगठन हो सकते हैं जो आतंकवादी संगठनों के लिए काम कर रहे हों। इस बात को समझने में हमें कोई शक नहीं है कि हर सरकार आतंकवाद पर शिकंजा कसने के लिए हर अथक प्रयास करती है और पूरी निगरानी भी रखती है लेकिन सवाल यही उठता है कि आखिर आतंकवादी तकनीकी रूप से विश्व की बड़ी-बड़ी एजेंसियों से इतना अपडेट व अपग्रेड हैं कि इनके इरादों की भनक तक भी नहीं लग पाती। भारत के परिवेश में विशेषज्ञों का मानना है कि यहां लगातार जनसंख्या बढ़ रही है जिसको नियंत्रित करने के लिए पुलिस व सभी तरह की एजेंसी बल इतना नहीं है कि वह निगरानी रख सकें। भारत जैसे देश पर तो सभी कट्टर इस्लामिक आतंकवादी संगठनों की निगाह है।

हाल ही में हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी वाले प्रकरण से देश में एक नकारात्मक संदेश गया। तीन संदिग्ध डॉक्टरों की वजह से बहुत सारे सही विद्यार्थियों पर भी गाज गिर रही है और अब यूनिवर्सिटी की मान्यता भी रद्द कर दी गई है। साथ ही अब जितनी भी इस्लामिक यूनिवर्सिटी हैं, उनको भी शक के घेरे में लिया जा रहा है। आतंकवादी जिस ट्रैक पर काम करते हैं वह बेहद आश्चर्य में डाल देता है। चूंकि उसके लिए जो लोग काम करते हैं वह शिक्षित वर्ग होता है और कोई भी जांच एजेंसी एकाएक ऐसे लोगों पर शक नहीं करती जिसका वह जमकर फायदा उठाते हैं। इस घटना से देश में सभी मुस्लिम डॉक्टरों को भी सही निगाह से भी नहीं देखा जा रहा जबकि हर कोई एक जैसा नहीं होता। चूंकि डॉक्टरों का धर्म, फर्ज व कर्तव्य मरीजों को इलाज देना व जान बचाना होता है लेकिन यदि उस रूप में भी जिहादी निकल जाए तो इसमें तो उसके अलावा किसी की भी गलती नहीं मानी जा सकती। अब विश्व के नेताओं व जांच एजेंसियों को सबसे पहले यह समझना होगा कि आखिर आतंकी संगठन कैसे लोगों के मस्तिष्क को नियंत्रित करके उनको काबू करते हैं व साथ यह भी समझना होगा कि इनका संपर्क साधने का तरीका क्या है। यह किस तरह के लोगों को टारगेट करते हैं। चूंकि एक कहावत है कि 'चोर नही चोर की मां को पकड़ो' तो सब पता चल जाता है। दरअसल सोशल मीडिया के दौर में संपर्क साधना बहुत आसान हो गया है और आतंकवादी संगठन इसका जमकर फायदा उठा रहे हैं।

इस खेल के चक्रव्यूह को भेदना आसान तो नहीं हैं लेकिन असंभव भी नहीं हैं। ऐसे लोगों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर ध्यान रखने के लिए अधिक बल की जरूरत है और साथ में तकनीकी भी मजबूत होना पड़ेगा। बाकी जहां शक की गुंजाइश कम या न हो, वहां तुरंत प्रभाव के साथ सक्रियता दिखानी चाहिए। जो लोग सोशल मीडिया पर देश विरोधी एजेंडा चला रहे हों, उन पर सबसे पहले कार्यवाही होनी चाहिए। चूंकि वह अपने फॉलोवर्स को गलत संदेश प्रेषित करके समाज में तो जहर घोलने का काम करते ही हैं, साथ में उनकी अनैतिक गतिविधियों में लिप्त होने की आशंका बढ़ जाती है। बाकी लोगों को यह समझना होगा कि यह देश उनका भी है इसलिए उससे गद्दारी करके हम आने वाली पीढ़ी को भी गलत संदेश दे रहे हैं। यदि आतंकवाद इतना सरल हो जाएगा तो यह मानव जीवन पर प्रहार के रूप में काम करेगा। हमने आज तक बहुत सारे परिवारों को उजड़ते देख लिया और यह ही लगता है कि आखिर उन बेगुनाहों का क्या कसूर है जो हर बार बिना वजह बेमौत मारे जाते हैं। सरकार को इस पीड़ा को समझते हुए एक बहुत बड़ी रणनीति की आवश्यकता है जिससे कि देशवासियों को धैर्य व विश्वास के साथ जिंदगी जीने को मिले, चूंकि हर कोई सबसे पहले सुरक्षा चाहता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सियासत

विवेक शुक्ला

बिहार चुनाव : चाणक्य की जीत, महागठबंधन की हार

बिहार विधान सभा के नतीजे आने के बाद से ही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राजधानी दिल्ली स्थित आवास में राज्य की नई सरकार के गठन के सवाल पर एनडीए के नेताओं के बीच बैठकों के दौर जारी है। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में नई सरकार 20 नवंबर को पदभार संभाल लेगी। बिहार विधान सभा के चुनाव परिणाम पर भी कुछ समय तक और बहस जारी रहने वाली है। अब मुख्य रूप से इस मुद्दे पर बहस हो रही है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने किसी का भी चुनाव जीतना अब नामुमकिन है? ज्यादातर राजनीतिक पंडितों की राय यह बन रही है कि बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी को हराना नामुमकिन नहीं भी है तो यह मुश्किल जरूर है। एक बात साफ है कि भाजपा के लिए चुनाव तैयारी कोई पार्ट टाइम गेम नहीं है, बल्कि यह जनता से जुड़े रहने और मुद्दों के आसपास पार्टी को तैयार रखने का सतत अभियान है। भाजपा की जिस चुनावी रणनीति का लोग आज लोहा मान रहे हैं, उसे विकसित करने और उसकी धार बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वयं गृह मंत्री अमित शाह निभाते हैं। बिहार में महागठबंधन के नेताओं जैसे राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, प्रियंका गांधी और अन्य नेता जनता को अपने साथ जोड़ने में एक सिरे से विफल रहे। राहुल गांधी तो वोट चोरी के आरोप लगाने के अलावा अब सब कुछ भूल गए। अगर उनके पास कोई ठोस सुबूत हैं तो वे कोर्ट में क्यों नहीं जाते। पहले वे ईवीएम में गड़बड़ी का रोना रोते थे। बहरहाल, बिहार में भी एनडीए की इस चुनावी जीत के सूत्रधार अमित शाह बने हैं, जिन्होंने महागठबंधन के किसी भी पैतरे को चलने नहीं दिया और राहुल- तेजस्वी की जोड़ी को करारी शिकस्त दे दी। 2010 के बाद भाजपा फिर से 90 प्रतिशत की स्ट्राइक रेट के साथ 89 सीटें जीतने में कामयाब रही और इस बार बिहार विधान सभा में सबसे बड़ी पार्टी भी बन गई। जबकि कांग्रेस के लिए चुनाव परिणाम शर्मनाक स्तर का है और आरजेडी 2010 की स्थिति में पहुंच गई है। बीजेपी नेतृत्व को बिहार की नब्ज पर पकड़ का अंदाज था। खासकर अमित शाह ने अपनी तीन महीने के धुआंधार दौरे से यह अंदाज लगा लिया था कि जनता क्या चाहती है और उसी के अनुसार जब केंद्र और राज्य सरकार ने बिहार की जनता की अपेक्षाओं को पूर्ण करने का काम पूरा किया, तो जनता गदगद हो उठी। अमित शाह पहले नेता थे जिन्होंने एक चुनावी रैली में ही यह ऐलान कर दिया था कि इस बार एनडीए 160 से ज़्यादा सीटें जीतेगा और बिहार में सरकार बनाएगा। फिर अंतिम चरण के मतदान से कुछ ही दिन पहले एक रैली में, शाह ने फिर घोषणा की कि 14 नवंबर को राजद और कांग्रेस परिवारों के राजनीतिक सफाए का दिन होगा। यदि अमित शाह ने चुनावी सफलता का कोई रिकार्ड बनाया है, तो इसके पीछे उनका अनथक परिश्रम है। पार्टी में रणनीति और उस पर क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह से समर्पित कार्यकर्ताओं के निर्माण की एक बड़ी प्रक्रिया है। अमित शाह न सिर्फ इस प्रक्रिया के निर्माण और संचालन की जिम्मेदारी उठाते हैं, बल्कि कार्यकर्त्ताओं और निचले स्तर पर काम कर रहे भाजपा नेताओं और गठबंधन सहयोगियों में विश्वास का भाव भी पैदा करते हैं। दूसरी तरफ राहुल और तेजस्वी अकेले चने की तरह भाड़ फोड़ने में लगे थे। कांग्रेस की तरफ से प्रियंका के अलावा किसी बड़े नेता की उपस्थिति महसूस ही नहीं की गई और तेजस्वी अपने घर के असंतोष को भी खत्म नहीं कर सके। अमित शाह ने स्वयं बिहार में 35 रैलियों को संबोधित किया और एक बड़े रोड शो का नेतृत्व किया। वह केवल भाषणों और रैलियों तक खुद को सीमित नहीं करते, बल्कि बूथ स्तर तक अपनी उपस्थिति बनाए रखते हैं। इससे पार्टी के साथ कार्यकर्ताओं का एक मजबूत जुड़ाव होता है और फिर बूथ कार्यकर्ता भी अधिकतम वोट हासिल करने के लिए भरपूर मेहनत करता है। कांग्रेस का संगठन बिहार में भी गायब है और केवल गाली गलौच की सुर्खियों तक ही सीमित है। अमित शाह को भाजपा का 'चाणक्य' कहा जाता है, और बिहार में उनकी भूमिका निर्णायक साबित हुई। जीत के बाद शाह ने कहा कि यह जनादेश विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण पर मुहर है। जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति को बिहार ने नकार दिया। विपक्ष के 'वोट चोरी' आरोपों को खारिज करते हुए शाह ने मतदाता सूची शुद्धिकरण को राष्ट्रव्यापी मूड बताया। संक्षेप में, अमित शाह की दूरदर्शी रणनीति, असंतोष प्रबंधन और माइक्रो-प्लानिंग ने एनडीए को असंभव लग रही जीत दिलाई। यह जीत भाजपा की बिहार में मजबूती और शाह के चुनावी मास्टरमाइंड की मिसाल है। बिहार 2025 ने साबित किया कि संगठन और रणनीति से कोई भी चुनौती पार की जा सकती है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ज्ञान का अभिषेक

अखिल ब्रह्मांड ईश्वर का स्वरूप है। श्रावण मास में बरस रही जलधारा ही ऐसी प्रतीत होती है मानो प्रकृति इस धरा का अभिषेक कर रही है। प्रकृति के इसी कृत्य का अनुकरण हम मानव भी करते हैं। श्रावण मास में हम भी शिवलिंग पर जल चढ़ा कर अपने आपको ईश्वर के उसी कृत्य के साथ जोड़ लेते हैं। ईश्वर अथवा प्रकृति के गुणों को अपनाना सदाचार है। श्रावण मास हमें यह अवसर देता है। जल जीवन है और यह धरती को पुनर्जीवित करता है। वर्षा से प्रकृति पनपती है। तपती हुई धरती पर जब वर्षा होती है तो उसे शीतलता का आभास होता है। वनस्पतियां उगने लगती हैं। पेड़ों पर नए पत्ते लगने लगते हैं। जैसे श्रावण में लोगों को गर्मी से राहत मिलती है, वैसे ही ज्ञान के श्रवण से मन को पीड़ा और बेचैनी से राहत मिलती है। श्रावण में लोग एकत्रित होकर ज्ञान-श्रवण करते हैं। दिव्य कथाएं सुनते हैं। ईश्वर का गुणगान करते हैं, जिससे उन्हें संतोष प्राप्त होता है। जब मन पर ज्ञान का अभिषेक होता है, तो मन शांत और शीतल हो जाता है। श्रावण को सबसे पवित्र महीना माना जाता है, क्योंकि यह अनेक धार्मिक उत्सवों और पर्वों को अपने साथ लाता है। हिंदू कैलेंडर में श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है। शिव परिवर्तन के लिए उत्तरदायी ऊर्जा हैं। शिव जीवन के मार्ग की बाधाओं को दूर करने वाले हैं। वह पुरातन को विनष्ट कर नूतन के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। शिव कल्याणकारी हैं। शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। कैलाश का अर्थ ही है कि जहां केवल उत्सव हो, केवल आनंद हो। श्रावण के महीने में संपूर्ण वातावरण उत्सव से भर जाता है।

संकलित

दर्शन

समस्याएं तो आती-जाती रहेंगी, हमें रुकना नहीं चाहिए

एक व्यक्ति बहुत दुखी था। उसके पिता की मृत्यु हो चुकी थी, पूरे घर की जिम्मेदारी उस पर आ गई थी। बहुत मेहनत करने के बाद भी उसकी समस्याएं खत्म नहीं हो रही थीं। वह निराश रहने लगा था। एक दिन उस व्यक्ति को एक विद्वान संत मिले। व्यक्ति ने संत से कहा कि मैं बहुत परेशान हो गया हूं। मुझे अपना शिष्य बना लीजिए। संत ने कहा कि ठीक है, तुम शिष्य बन जाना, लेकिन पहले अपनी परेशानी बताओ। शिष्य ने कहा कि गुरु जी मेरे जीवन में एक समस्या खत्म नहीं होती है और उससे पहले ही दूसरी सामने आ जाती है। इस कारण मैं बहुत दुखी हूं। किसी भी काम में सफलता नहीं मिल पाती है, घर की भी समस्याएं बनी रहती हैं। गुरु ने कहा कि तुम मेरे साथ चलो। वह व्यक्ति संत के साथ चल दिया। कुछ देर में संत और शिष्य पास की नदी के किनारे पहुंच गए। किनारे पर पहुंचकर गुरु ने कहा कि हमें ये नदी पार करनी है। इतना कहकर संत किनारे पर ही खड़े हो गए। शिष्य भी गुरु के साथ खड़ा रहा। कुछ देर बाद शिष्य ने कहा कि हमें नदी पार करनी है तो हम यहां क्यों खड़े हैं? गुरु ने कहा कि हम इस नदी के सूखने का इंतजार कर रहे हैं, जब ये सूख जाएगी, हम इसे आसानी से पार कर लेंगे। ये बात सुनकर शिष्य बहुत हैरान हो गया। वह बोला कि गुरु जी ये कैसी बात कर रहे हैं? नदी का पानी कैसे और कब सूखेगा। हमें नदी को इसी समय पार करनी होगी। संत ने कहा कि मैं तुम्हें यही बात समझाना चाहता हूं। जीवन में भी समस्याएं आती-जाती रहेंगी। हमें सकारात्मक रहना चाहिए। निराश होकर रुकना नहीं चाहिए, लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए।

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन

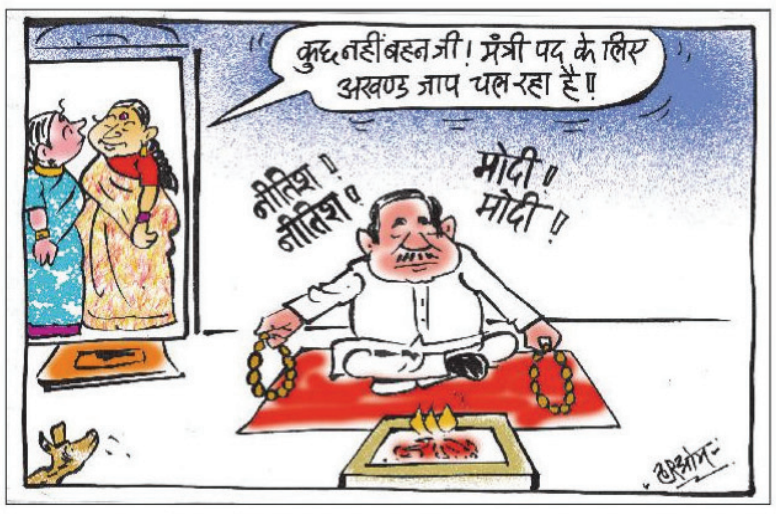

आज की पाती

बदले की भावना है यह

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वहां के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने फांसी की सजा सुनाई है। उन पर आरोप यह भी है कि उनके राज में जब हिंसक प्रदर्शन हुआ था, तब बहुत से लोग मारे गए थे और वह उस समय वहां से भागकर हमारे देश में आ गई थी और यहां पनाह लिए हुए हैं। राजा का फर्ज होता है कि वो सुख और दुख में प्रजा के साथ खड़ा हो, खासतौर पर दुख में प्रजा के साथ खड़ा होना चाहिए। शेख हसीना बेशक अपनी जान की परवाह करते हुए हमारे देश आ गई थी, लेकिन उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, वहीं रहकर अपने देश की समस्या का हल निकालना चाहिए था और विदेशों से मदद की गुहार लगानी चाहिए थी। फिर भी फांसी की सजा बदले की भावना लगती है। - *प्रदीप साहू, बलौदाबाजार*

करंट अफेयर

सांता क्लॉज बनकर यहूदी बच्चों को दी जहरीली कैंडी

पूर्वी यूरोप के एक नव-नाजी समूह के नेता ने यहूदियों और नस्लीय रूप से अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसक हमले कराने के लिए लोगों की भर्ती करने की कोशिश का जुर्म स्वीकार कर लिया। इन साजिशों में सांता क्लॉज का भेष धारण कर बच्चों को जहरीली 'कैंडी' बांटना भी शामिल था। संघीय अभियोजकों ने कहा कि वे 22 वर्षीय मिखाइल चिखिकविशविली के लिए 18 वर्ष तक की जेल की सजा की मांग करेंगे। दोषी जॉर्जिया गणराज्य का नागरिक है और उसे 'कमांडर बुचर' के नाम से जाना जाता है। चिखिकविशविली ने ब्रुकलिन की एक संघीय अदालत में घृणा अपराधों के लिए उकसाने और बम व राइसिन बनाने की जानकारी फैलाने के आरोपों को स्वीकार कर लिया। अभियोजकों के अनुसार, चिखिकविशविली अंतरराष्ट्रीय चरमपंथी समूह 'मेनिएक मर्डर कल्ट' का नेता है। यह समूह ऐसी विचारधारा को मानता है जो नस्ली एवं धार्मिक युद्ध छेड़ने के उद्देश्य से हिंसा को बढ़ावा देती है। चिखिकविशविली को जुलाई 2024 में मोल्दोवा में गिरफ्तार किया गया था और मई 2025 में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। अभियोजकों के अनुसार, 2022 से वह कई बार ब्रुकलिन आया, जहां उसने एक बुजुर्ग यहूदी व्यक्ति की पिटाई करने का दावा किया।

ऑफ बीट

बैठने के बजाय खड़े होकर काम करना फायदेमंद है?

आधुनिक समय में हममें से अधिकतर लोग जागते हुए अपना अधिकांश समय बैठकर गुजारते हैं। हाल में एक अनुसंधान में लंबे समय तक बैठने के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभावों को रेखांकित किया गया है। कई कार्यस्थलों पर 'सिट-स्टैंड' डेस्क सिस्टम को अपनाया गया है, जिस पर आप लंबे समय तक बैठने के नुकसान से बचने के लिए डेस्क को बटन या लीवर दबाकर ऊंचा कर सकते हैं और खड़े होकर काम कर सकते हैं। लेकिन खड़ा होना बेहतर कैसे है? और क्या बहुत अधिक खड़े होने के भी नुकसान हैं? बहुत अधिक बैठने और खड़े होने के जोखिमों के बारे में अनुसंधान क्या कहता है, और क्या 'सिट-स्टैंड' डेस्क में निवेश करना ठीक है। बहुत अधिक बैठने के क्या नुकसान हैं? जो लोग बहुत अधिक बैठते हैं उनमें टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के विकसित होने और उनका जीवन कम होने की आशंका बढ़ जाती है। लंबे समय तक बैठे रहने से मांसपेशियों, हड्डियों में, खासकर गर्दन और पीठ में दर्द संबंधी शिकायत बढ़ जाती है। उन लोगों को अधिक बैठने से और भी ज्यादा नुकसान हो सकता है जो बहुत कम व्यायाम करते हैं या एक मानक स्तर तक शारीरिक गतिविधियां नहीं करते।

ट्रेंड

साईं बाबा का संदेश

श्री सत्य साईं बाबा को समर्पित एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया है। उनका संदेश समय और स्थान की सीमाओं से परे है। करुणा, सेवा और सार्वभौमिक प्रेम की उनकी शिक्षाएं आज भी दुनिया भर के लोगों का मार्गदर्शन करती हैं।
- **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

मखाना बोर्ड

पहले मुख्यतः मखाने का उत्पादन बिहार में होता था, लेकिन अब मखाने का उत्पादन छत्तीसगढ़ में भी हो रहा है इसीलिए मखाना बोर्ड में छत्तीसगढ़ को भी शामिल किया जाएगा, ताकि यहां के मखाना किसानों को लाभ मिल सके।
-**शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री**

एनआरसी

असम में एनआरसी अधिसूचित नहीं किया गया है, इसलिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। हालांकि, चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का आदेश दिया है। इससे हमें अवैध लोगों को बाहर निकालने में मदद मिलेगी।
- **हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम**

एसीबी की वसूली

झारखंड में एसीबी ने शराब घोटाले के आरोपियों को गिरफ्तारी का भय दिखाकर सैकड़ों करोड़ की वसूली की। कुछ आरोपियों को गिरफ्तार तो किया, लेकिन तय समय के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं की गई।
-**बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड**

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

अतिरिक्त भीड़ के कारण मजदूरों और तकनीकी कर्मचारियों का काम प्रभावित

काशी विश्वनाथ मंदिर में अगले दो दिनों तक स्पर्श दर्शन पर रोक, प्रशासन ने की श्रद्धालुओं से अपील

एजेंसी /वाराणसी,

काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में पत्थर (संगमरमर) बदलने का कार्य के चलते अगले दो दिनों तक स्पर्श दर्शन पर रोक जारी रहेगी। इसलिए मंदिर प्रशासन ने कार्य जारी रहने तक स्पर्श दर्शन पर रोक बढ़ा दिया है। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं से प्रशासन ने अनुरोध किया है कि वे असुविधा को देखते हुए सहयोग बनाए रखें। जानकारी मुताबिक, मंदिर गर्भगृह के फर्श पर पुराने संगमरमर की जगह नया पत्थर लगाने का कार्य बुधवार को शुरू किया गया था। प्रारंभिक योजना के अनुसार, यह कार्य गुरुवार तक पूरा होना था, लेकिन श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या और पांचों पहर की आरती के दौरान अतिरिक्त भीड़ के कारण मजदूरों और तकनीकी कर्मचारियों का काम प्रभावित हुआ। इस वजह से काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने कार्य की अवधि बढ़ाकर शुक्रवार और शनिवार तक बढ़ाने का फैसला लिया।

काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में पत्थर (संगमरमर) बदलने का कार्य के चलते अगले दो दिनों तक स्पर्श दर्शन पर रोक जारी रहेगी। प्रशासन ने सहयोग की अपील की।

नियमित रखरखाव प्रक्रिया का हिस्सा

मंदिर के डिप्टी कलेक्टर शंभु शरण ने बताया कि संगमरमर परिवर्तन का यह कार्य मंदिर की समय-समय पर होने वाली नियमित रखरखाव प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गर्भगृह में अत्यधिक भीड़ और संकुल वातावरण को देखते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक था। इसी कारण कार्य पूरा होने तक स्पर्श दर्शन को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा है।

मंदिर में आम दर्शन जारी रहेंगे

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि काशी मंदिर में आम दर्शन जारी रहेंगे और भक्त दूर से विश्वनाथ बाबा के दर्शन कर सकेंगे। केवल मंदिर गर्भगृह में प्रवेश और स्पर्श दर्शन ही प्रतिबंधित रहेंगे। मंदिर प्रशासन ने बताया कि संगमरमर बदलने का काम बेहद सावधानी से किया जा रहा है ताकि गर्भगृह की पवित्रता और संरचना सुरक्षित रहे। विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे भीड़भाड़ के समय धैर्य रखें और सुरक्षा व व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। जैसे ही कार्य पूरा होगा, स्पर्श दर्शन सामान्य रूप से शुरू कर दिए जाएंगे।

खबर संक्षेप

यूपी में 24 की जगह 25 को रहेगी छुट्टी

लखनऊ। गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के दिन पड़ने वाली छुट्टी को अब बदल दिया गया है। यूपी में 24

की जगह अब 25 नवंबर की छुट्टी रहेगी। 25 नवंबर यानी मंगलवार को स्कूल-कॉलेज और सरकारी ऑफिसों में अवकाश रहेगा। योगी सरकार ने इसको लेकर घोषणा कर दी है। प्रमुख सचिव ने मनीष चौहान ने जारी आदेश में कहा है कि 24 नवंबर सोमवार को श्री गुरु तेग बहादुर का बलिदान दिवस है।

लखनऊ में रिकवरी एजेंट की बेरहमी से हत्या

लखनऊ। जिले के इंदिरानगर क्षेत्र में कुछ लोगों ने विवाद के बाद एक रिकवरी एजेंट को

बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात सीसीटीवी में कैद हुई। मृतक की पहचान शशि प्रकाश उपाध्याय के रूप में हुई है,

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बिहार नीतीश कुमार को दी बधाई, कहा-

सीएम के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बिहार के विकास का सार्थक प्रयास करेगी

नीतीश कुमार ने बुधवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को इस्तीफा सौंपने के साथ नई एनडीए सरकार के गठन का दावा भी पेश किया है। इससे पहले उनको एनडीए विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से नेता चुना गया।

खास बातें

- सीएम योगी आदित्यनाथ ने बिहार के विधानसभा चुनाव में की थीं 31 रैलियां
- योगी आदित्यनाथ की रैली वाले क्षेत्र से 27 प्रत्याशी जीते

एजेंसी /लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पटना पहुंचे। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने दसवीं बार शपथ ली। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 11 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।

पीएम मोदी के साथ कई केंद्रीय मंत्री और 11 मुख्यमंत्री शामिल

पटना में सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से मैं बिहार की नई सरकार को बधाई देने आया हूं। हम जो कुछ भी यहां देख रहे हैं, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विशाल अनुभव और डबल इंजन वाली सरकार के प्रयासों का परिणाम है। मैं बिहार की जनता को बधाई देता हूं और इसके साथ ही मैं नीतीश जी, सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और शपथ लेने वाले नए मंत्रिमंडल को बधाई देता हूं।

मेरठ, कानपुर और मथुरा के लिए सीएम योगी का प्लान

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर व प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन का होगा विकास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के समग्र शहरी विकास की समीक्षा करते हुए कहा कि तीनों शहरों का विकास केवल निर्माण-कार्य पर आधारित न हो, बल्कि उसमें स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शहरी सुविधाओं का संतुलन साफ दिखाई दे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं को चरणबद्ध ढंग से लागू किया जाए और काम समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा हो।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तीनों मंडलों के मंडलायुक्त मौजूद रहे। बताया गया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन में समेकित विकास मॉडल लागू किया जा रहा है।

फिर गांधी की शरण में प्रशांत किशोर

चुनाव में करारी हार के बाद 1 दिवसीय मौन व्रत व उपवास

एजेंसी / नई दिल्ली,

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने गुरुवार की दोपहर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि भितिहरवा गांधी आश्रम में एक दिवसीय मौन व्रत रखा। दोपहर 11.15 बजे शुरू हुआ उनका उपवास शुक्रवार की दोपहर तक चलेगा। मौन व्रत व उपवास को लेकर भितिहरवा गांधी आश्रम पहुंचे प्रशांत किशोर ने परिसर में स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की। उसके बाद उन्होंने गांधी आश्रम परिसर में स्थित गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तीन साल पहले प्रशांत किशोर ने यहीं से अपने सफर की शुरुआत की थी। चुनाव में उनकी पार्टी खाता भी नहीं खोल सकी।

अपनी बात वोटरों को समझा पाने में विफल रही जन सुराज पार्टी

अपने सहयोगियों के साथ गांधी की प्रतिमा के समीप ही मौन व्रत व उपवास की शुरुआत की। मौन व्रत व उपवास पर वे अकेले हैं मौके पर उपस्थित पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि बिहार के गरीबों की समस्या, बिहार में शिक्षा का अभाव, युवाओं का पलायन, बेरोजगारी के सही कारणों को आम जनमानस तक पहुंचाने में जन सुराज पार्टी असफल रही है। हाल में संपन्न आम चुनाव में जनता ने जो मतदान किया है, इससे प्रतीत होता है कि आम लोग अभी भी जन सुराज की बातों को समझ नहीं पाए हैं या हम अपनी बात उन्हें समझा पाने में विफल रहे हैं।

मतदाता सिर्फ एक स्थान का ही गणना प्रपत्र हस्ताक्षर करके बी०एल०ओ० को उपलब्ध करायें

सोनभद्र। जिला निर्वाचन बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि दिनांक 04.11.2025 से 04.12.2025 तक बी०एल०ओ० घर-घर जाकर गणना पत्र का वितरण कर रहें है और वितरण के उपरान्त गणना प्रपत्रों का एकत्रीकरण एवं एकत्रित गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की कार्यवाही पूर्ण कर रहे है

हेल्थ कैंप में 281 लोगों की जांच कर दवा का वितरण किया गया

डाला सोनभद्र। अडानी फाउंडेशन सलाईबनवा द्वारा पनारी पंचायत के निंगा गाँव मे हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जहां अडानी सीमेंट सलाईबनवा के प्रोजेक्ट हेड नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में पनारी पंचायत के निंगा गाँव में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 281 लोगों की जांच कर दवा का वितरण किया गया, वहीं अडानी फाउंडेशन के सी.एस.आर.हेड मनोज चौबे ने बताया कि अडानी फाउंडेशन स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, पशुधन विकास,जल संरक्षण,ग्रामीण अवसंरचना, कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के क्षेत्र में सतत्प्रयासरत है।

व्यापक जन अभियान को एक बड़ा मुकाम मिला

पंजाब कांग्रेस ने 'वोट-चोरी' के खिलाफ 26 लाख हस्ताक्षर हाईकमान को सौंपे

एजेंसी / नई दिल्ली,

पंजाब में 'वोट-चोरी' के खिलाफ चलाए गए व्यापक जन अभियान को एक बड़ा मुकाम मिला है। बुधवार को पंजाब कांग्रेस नेताओं ने राज्यभर से जुटाए गए 26 लाख 85 हजार 828 हस्ताक्षर कांग्रेस हाईकमान को सौंपे।

यह हस्ताक्षर अभियान पार्टी द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान "वोट चोर, गद्दी छोड़" का हिस्सा है। दिल्ली में हुए इस कार्यक्रम में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल, पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और कांग्रेस विधान दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हस्ताक्षरित फार्म सौंपे।

पंजाब वोट-चोरी को रोक देगा: प्रताप बाजवा

जनता ने दिल खोलकर आवाज उठाई: राजा वड़िंग

पीसीसी अध्यक्ष राजा वड़िंग ने कहा कि 'वोट चोरी' के खिलाफ चलाए गए अभियान को पंजाब के गांव-शहर, युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों से असाधारण समर्थन मिला है।

कांग्रेस विधान दल (सीएलपी) नेता प्रताप सिंह बाजवा ने अभियान की सफलता पर भरोसा जताते हुए कहा, मैं पूरे आत्मविश्वास और गारंटी के साथ कह सकता हूं कि पंजाब बीजेपी की 'वोट चोरी' को रोक देगा। उन्होंने कहा कि यह हस्ताक्षर संग्रह केवल एक विरोध नहीं, बल्कि पंजाब की जनता द्वारा लोकतंत्र की मजबूती का संदेश है।

पंजाब का जनसमर्थन ऐतिहासिक: भूपेश बघेल

पत्रकारों से बातचीत में भूपेश बघेल ने कहा कि जिस तरह पूरे देश में यह अभियान जोर पकड़ रहा है, उसी तरह पंजाब में भी लोगों ने बड़ी संख्या में भागीदारी दिखाई है। उन्होंने बताया कि अभियान को लोगों से करीब 27 लाख समर्थन हस्ताक्षर प्राप्त हुए, जो दर्शाता है कि पंजाब के लोग "वोट चोरी" के खिलाफ खुलकर सामने आए हैं।

अन्य प्रदेशों के नेता भी रहे

हस्ताक्षर सौंपने के इस मौके पर राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, तथा असम के लिए महासचिव प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान इन नेताओं ने पंजाब कांग्रेस के इस अभियान को 'देशव्यापी लोकतांत्रिक संघर्ष का महत्वपूर्ण हिस्सा' बताया।

पार्टी का दावा : यह सिर्फ शुरुआत- पार्टी नेतृत्व का कहना है कि देशभर में 'वोट-चोरी' के खिलाफ जनजागरण अभियान जारी रहेगा और आने वाले दिनों में विभिन्न राज्यों से भी बड़ी संख्या में हस्ताक्षर एकत्र किए जाएंगे। जिसका पंजाब में जबरदस्त जनसमर्थन देखने को मिला।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202511031100003

विषय: -अ-2

मामले की श्रेणी राजस्व

सनः-2025-2026

गोढ़ीकला प ह न. 000111,

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार जगदीश प्रसाद पिता रामकुमार..

अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम गोढ़ीकला प.ह.न. 11, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगदीश प्रसाद पिता रामकुमार, जाति अग्रवाल, निवासी पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला- जशपुर (छ.ग.) के द्वारा गोढ़ीकला प. ह. में स्थित ख.नं. 176/1 एवं 1762 कुल रकबा 0.251 हे0 में से 0.009 है० एवं 1653 रकबा 0:2280 है में से 0.147 है० तथा स.नं. 177 रकबा 0.275 हे० में से 0.174 हे० आवेदित भूमि का व्यवसायिक प्रयोजनार्थ (गोदाम निर्माण) के लिये व्यधवर्तन कराये जाने हेतु मम आवेदित भूमि के नवशा खसरा, बी.। एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1929 की धारा 112 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त प्रकरण लोक सेवा गारन्टी के तहत 30 दिवस समय सीमा निर्धारित है. जिसके अनुसार सर्व संबंधित विभाग अनापत्ति प्रतिवेदन समय सीमा में प्रस्तुत करें। प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 19.11.2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेशानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202511031100036

विषयः अ-2

मामले की श्रेणी राजस्व

सनः-2015-2026

गोढ़ीकला प.ह.न . 00011 [181/3(0.0540 है०) 1

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार श्यामलाल अग्रवाल पिला स्व. रामकुमार अग्रवाल,

अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन

ईश्तहार

आवेदक श्यामलाल अग्रवाल पिता स्व. श्री रामकुमार अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के ?द्वारा ग्राम गोडीकला, प.ह.न. 11. रा.नि.मं. केराकछार, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 181/3 रकबा 0.054 है। भूमि को औ ?द्योगिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 04.12.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है. नियत तिथि एवं समय के पश्चात्प्राप्त किसी भी दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनापत्ति/रा. नि. निर्धारण प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्य ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 04/12/2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेपानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/11/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला -जशपुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०. /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुलेखा साहू पत्नी अनिल कुमार साहू जाति तेली निवासी धरसेड़ी तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम मणिपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 70/27, 70/6 रकबा 0.005, 0.006 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 08/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्रं./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सतपता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण (1) श्री अनिल कुमार गुप्ता पिता श्री गणेश प्रसाद गुप्ता, (2) श्री सुनील कुमार गुप्ता पिता श्री गणेश प्रसाद गुप्ता, (3) श्री सुधीर कुमार गुप्ता पिता श्री गणेश प्रसाद गुप्ता, सभी जाति हलवाई, निवासी ग्राम सतपता, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सतपता, प.ह.नं. 03, रा.नि.मं. विश्रामपुर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 7/5 रकबा 0.10 हे. में से रकबा 0.040 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है।अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 03/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक.18/11/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सतपता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री गणेश प्रसाद गुप्ता पिता श्री कमल कान्त गुप्ता। जाति-हलवाई, निवासी ग्राम सतपता तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सतपता, प.ह.नं. 03, रा.नि.मं. विश्रामापुर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 434/1, 434/2 रकबा क्रमशः 0.650 हे. में से 0.10, 0.030, हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 08/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/11/2025को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

नौसेना उप प्रमुख संजय वात्सायन का खुलासा

पाकिस्तान को जहाज और पनडुब्बियां दे रहा चीन, हर गतिविधि पर हमारी 'नजर'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाइस एडमिरल संजय वात्सायन ने कहा कि भारतीय नौसेना इस बात से अवगत है कि चीन पाकिस्तान को पनडुब्बियां और जहाज दे रहा है और नौसेना हर गतिविधि की बहुत ध्यान से निगरानी कर रही है, ताकि समुद्री सुरक्षा और देश के हितों की रक्षा की जा सके। भारतीय नौसेना के 'स्वावलंबन 2025' कार्यक्रम को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने यह बात कही। यह कार्यक्रम 25-26 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी के मानेकशॉ केंद्र में होगा। इस बार का आयोजन नई तकनीकों, स्वदेशी समाधान और भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रगति को प्रदर्शित करेगा। भारतीय नौसेना का 'स्वावलंबन 2025' एक ऐसा मंच है जो नवोन्मेषकों, स्टार्टअप्स, उद्योगों और सशस्त्र बलों को एक साथ लाएगा। उनके अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ

मुकाबले के लिए नौसेना पूरी तरह से तैयार

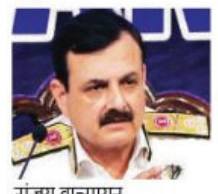

संजय वात्सायन

दो साल में मिलेंगे कई नए विमान

उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना को भी अगले दो साल में कई नए विमान मिलने वाले हैं। कुछ विमान बन रहे हैं अगले दो साल में हमें मिल जाएंगे।

वाइस एडमिरल वात्सायन ने कहा कि चीन पाकिस्तान को पनडुब्बियां दे रहा है और जल्द ही उनकी पनडुब्बियों को शामिल करने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। लेकिन हम भी पूरे क्षेत्र में हर स्थिति पर नजर रख रहे हैं। जो कुछ भी हमें करना है और जिसका मुकाबला करना है, हम उसकी तैयारी कर रहे हैं। हमें यह भी पता है कि पनडुब्बी-रोधी युद्ध के लिए हमें कैसी क्षमताओं की जरूरत है। भारतीय नौसेना उन तकनीकों और क्षमताओं पर भी नजर रख रही है जो अन्य देश भी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन 25 नवम्बर को-जिलाधिकारी

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत दिनांक-25 नवम्बर 2025 को जिला मुख्यालय स्तर पर डायट परिसर, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का भव्य आयोजन कराया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में शासनादेशानुसार प्रति जोड़ा रू0 1,00,000 व्यय किये जाने का प्राविधान है, जिसमें कन्या के दाम्पत्य जीवन में खुशहाली एंव गृहस्थी की स्थापना हेतु सहायता राशि रू0 60000 कन्या के खाते में डी०बी०टी० के माध्यम से अंतरित की जायेगी एवं कन्या को वैवाहिक उपहार सामग्री दिये जाने हेतु रू0 25000 की धनराशि व्यय होगा तथा कार्यकम आयोजन हेतु भोजन, पण्डाल, फर्नीचर, पेयजल, विद्युत/प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु रू0 15000 प्रति जोड़ा व्यय किया जायेगा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत आवेदन हेतु वेबसाइटू पर आनलाइन आवेदन इच्छुक व्यक्ति अपनी कन्या के विवाह हेतु उक्त वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन कर सकते है

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब सर्दी के मौसम में बढ़ जाए जोड़ों का दर्द

मेरी उम्र 58 वर्ष है। सर्दियों में मेरे जोड़ों में दर्द बढ़ जाता है। कृपया कोई ऐसा उपाय बताएं ताकि इस मुश्किल का सामना न करना पड़े।

-कौशल किशोर, रोहतक

सर्दी के मौसम में जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। खासकर अधिक उम्र के लोगों को यह दिक्कत ज्यादा होती है। इससे बचने का तरीका यही है कि सर्दी में एक्सपोजर कम से कम करें। अगर निकलना ही पड़े तो पूरी तरह से वूलेन कपड़े पहनकर निकलें। साथ ही खान-पान का विशेष ध्यान रखें और ठंडी या फ्रिज में रखी चीजें खाने से परहेज करें।

मेरी उम्र 26 वर्ष है। सर्दी में डेंड्रफ की समस्या बढ़ जाती है। मुझे इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए ?

-रोहन, बिलासपुर

सर्दी के मौसम में यह समस्या गर्म पानी से नहाने की वजह से ज्यादा होती है। इससे बचने के लिए आप अधिक गर्म पानी से ना नहाएं। पानी को नॉर्मल कर लें। साथ ही नियमित रूप से बालों को धुलें, ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो जरूर आपको एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। अकसर जब मैं सुबह सोकर उठता हूं तो गले के पिछले पार्ट में अकड़न लगती है। कुछ देर में ठीक भी हो जाता है। कृपया बताएं ऐसा क्यों होता है ?

-राजीव, रायपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लगता है कि आपको सर्वाइकल की दिक्कत है लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। ऐसे में आपको ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वह एक्स-रे कराकर इसका कारण पता लगाएंगे और ट्रीटमेंट होगा। फिलहाल आप सर्दी से बचें और रात में सोते समय गले के उस पार्ट को प्रॉपर ढंक कर रखें।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। करीब एक साल से मुझे डाइजेशन की प्रॉब्लम है। भूख नहीं लगती है। कृपया मेरी इस समस्या का कोई कारगर समाधान बताएं।

-सुबीर, राजनांदगांव

उम्र बढ़ने के साथ डाइजेशन सिस्टम स्लो हो जाता है। इसलिए आपको खान-पान में विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। ज्यादा तला-भुना खाना नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा दोपहर के खाने में सलाद और दही जरूर शामिल करना चाहिए। रात का डिनर बिल्कुल ही हल्का होना चाहिए। सोने से तीन घंटे पहले डिनर हो जाना चाहिए। इस तरह चेंज करने से आपको आराम मिलेगा।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। कुछ दिनों के अंतराल पर मेरे सिर के अगले, पिछले या बीच के हिस्से में रह-रहकर दर्द होता रहता है। कई बार यह बहुत असहनीय हो जाता है, कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-सुकेश, भोपाल

सिर में दर्द कई कारणों से होता है। कई बार गैस की वजह से काफी तेज दर्द होता है तो कई बार इसकी वजह माइग्रेन भी होता है। दर्द कब हो रहा है, कैसे हो रहा है, इस बारे में आपको डिटेल्स बतानी पड़ेगी। बेहतर होगा कि आप एक बार न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क कर लें। वह पूरी हिस्ट्री समझकर ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ दिनों से मेरे पेट में दाईं तरफ मीठा-मीठा दर्द बना रहता है। मुझे क्या करना चाहिए ?

-राजेश, दुर्ग

आपने यह नहीं बताया कि यह दर्द कितने समय से हो रहा है? कई बार इसकी वजह संक्रमण हो सकता है तो कई बार अन्य कारणों से भी हो सकता है, लेकिन जांच कराए बिना कुछ भी कहना मुश्किल है। आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। आप बगैर डॉक्टर से संपर्क किए कोई भी मेडिसिन ना लें। बाहर का खाना बिल्कुल न खाएं।*

प्रस्तुति: रिचा पांडे

अवेयरनेस

अंशु सिंह

फिजिकल-मेंटल हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है विटामिन-डी

विटामिन-डी, कैल्शियम अवशोषण, प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्य और समग्र स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में अगर इसकी कमी का निदान नहीं हो पाता है, तो उससे डिप्रेशन, एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। यहां आपको विस्तार से बता रहे हैं विटामिन-डी की महत्ता, इसके प्रमुख स्रोत, इसकी कमी के लक्षण और कमी दूर करने के उपायों के बारे में।

आपको शायद पता नहीं होगा कि अपने देश के बड़े वर्ग के लोगों में एक चिंताजनक स्वास्थ्य संकट बढ़ रहा है। वह है विटामिन-डी की कमी। कुछ अध्ययनों के अनुसार प्रचुर मात्रा में धूप होने के बावजूद 70 प्रतिशत से अधिक भारतीयों में इस आवश्यक पोषक तत्व की कमी है।

अकसर कई लोगों की उदासी, गुस्सा, चिड़चिड़ाहट की वजह किसी ना किसी प्रकार की चिंता या भय होता है। यही भय उन्हें अवसाद की दहलीज पर भी ले जाता है। रातों की नींद और चैन उड़ जाते हैं। कारण तलाशने पर कुछ भी हाथ नहीं लगता। मुमकिन है कि कुछ ऐसा हो रहा हो, जो बेवजह की उदासी और भय पैदा कर रहा हो। आपको लग रहा हो कि आप डिप्रेशन के शिकार हैं। कुछ लोग तो एंटी डिप्रेशन मेडिसिन लेना शुरू कर देते हैं, जबकि असली वजह शरीर में विटामिन डी की कमी हो सकती है।

डॉक्टर्स बताते हैं कि विटामिन हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी होते हैं। अब चाहे वो विटामिन-ए हो, विटामिन-बी, सी या विटामिन-डी। विटामिन-डी की कमी गंभीर मानसिक तनाव दे सकती है और हमें इसका पता भी नहीं चल पाता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

हाल के वर्षों में विभिन्न अध्ययनों के जरिए मानसिक स्वास्थ्य में विटामिन-डी की भूमिका का समर्थन करने वाले प्रमाण पाए गए हैं। विटामिन-डी की कमी, खासकर अवसाद और चिंता के लक्षणों को बढ़ा सकती है। कई शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि शरीर में विटामिन-डी की कमी से न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इतना ही नहीं, भूलने की बीमारी, दुविधा, थकान, मनोदशा में बदलाव, भूख न लगना, दर्द के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि, एकाग्रता की कमी, डर का

बढ़ना, अत्यधिक निराशा या उदासी की भावना, वजन कम होना या बढ़ना, चिंता आदि समस्याएं भी हो सकती हैं। कई अन्य अध्ययनों में अल्जाइमर रोग से पीड़ित लोगों के साथ-साथ संज्ञानात्मक हानि वाले स्वस्थ वयस्कों में विटामिन-डी के स्तर में कमी की बात सामने आई है, जो विटामिन-डी और संज्ञानात्मक कार्य के बीच संबंध का संकेत देती है।

भारत में चिंताजनक है स्थिति

मेडिकल जर्नल नेचर में प्रकाशित एक शोध के अनुसार अफगानिस्तान, ट्यूनीशिया जैसे देशों की लगभग 20 प्रतिशत से भी अधिक आबादी विटामिन-डी की कमी से ग्रसित है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप के लोग भी विटामिन-डी की कमी से जूझ रहे हैं। इन देशों में यह आंकड़ा क्रमशः 5.9 फीसदी, 7.4 फीसदी और 13 फीसदी के आस-पास है। एक अध्ययन के मुताबिक, भारत की करीब 70 फीसदी शहरी आबादी विटामिन-डी की कमी से जूझ रही है। जबकि देश में प्रचुर मात्रा में सूर्य की रोशनी उपलब्ध है। इसके बावजूद, लगभग 10 में से 9 व्यक्तियों में इस आवश्यक पोषक तत्व की कमी पाई जाती है।

विटामिन डी की कमी के कारण

लोगों में विटामिन डी की कमी के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। जैसे, शहरीकरण एवं प्रदूषण की वजह से लोगों का ज्यादा समय घर के अंदर रहना, धूप में कम समय बिताना आदि। सूर्य के प्रकाश के संपर्क में न आने की वजह से इसकी कमी, शरीर की विटामिन-डी के संश्लेषण की क्षमता को काफी कम कर देती है। शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का उच्च स्तर एक अवरोधक के रूप में कार्य करता है, जो विटामिन-डी के संश्लेषण के लिए आवश्यक पराबैंगनी-बी (यूवीबी) किरणों को अवरुद्ध करता है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे घनी आबादी वाले शहरों में विशेष रूप से यह समस्या गंभीर है। इसके अलावा, भारतीय आहार, खासकर शाकाहारी आहार में प्रायः विटामिन-डी से भरपूर खाद्य पदार्थों की कमी होती है, जो वसायुक्त मछली, अंडे की जर्दी और फोर्टिफाइड डेयरी उत्पादों में पाया जाता है।

क्यों जरूरी है विटामिन-डी

दिल्ली एनसीआर (गुरुग्राम) के वरिष्ठ एंडोक्राइनोलॉजिस्ट **डॉ. धीरज कपूर** का कहना है कि 'सनशाइन विटामिन' के रूप में जाने जाने वाला विटामिन-डी, वसा में घुलनशील विटामिन होता है, जो मुख्य रूप से सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर त्वचा में संश्लेषित होता है। यह कई शारीरिक कार्यों को पूरा करने जैसे दांतों, मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाने के अलावा मानसिक सेहत से लेकर हृदयाघात, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से हमें बचाने में सक्षम है। यह कैल्शियम और फास्फोरस के अवशोषण को सुगम बनाता है। इसकी कमी से ऑस्टियोपोरोसिस, संक्रमणों के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि और मांसपेशियों की कमजोरी सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही, ये मनोदशा के नियमन को प्रभावित करती है। इसकी कमी अवसाद और चिंता से जुड़ी हो सकती है।

कैसे काम करता है

हमारे शरीर की मांसपेशियों, हृदय, मस्तिष्क और प्रतिरक्षा प्रणाली में विटामिन-डी रिसेप्टर्स होते हैं। शरीर इस विटामिन को गुर्दे और यकृत तक पहुंचाता है, जहां यह एक सक्रिय हार्मोन में परिवर्तित हो जाता है। इस रूप में यह शरीर को कैल्शियम के अवशोषण में सहायता करता है। आपका शरीर सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने से विटामिन-डी प्राप्त करता है। कुछ खाद्य पदार्थ और सप्लीमेंट्स भी विटामिन-डी के स्रोत हो सकते हैं। सांवले रंग के लोगों के शरीर में मेलेनिन का स्तर अधिक होता है। यह एक ऐसा पदार्थ है, जो मनुष्यों और पशुओं में आंखों, त्वचा और बालों को काला कर देता है। यह रंजकता त्वचा को विटामिन-डी को ठीक से अवशोषित करने से रोकती है।

ऐसे दूर करें विटामिन-डी की कमी

आमतौर पर लोगों का औसतन 90 फीसदी समय घर या दफ्तर के अंदर बीतता है। घर के अंदर बिताए गए समय में वृद्धि के अलावा, ऐसे कपड़े पहनना, जो

त्वचा की अधिकांश सतह को कवर करते हैं या फिर सनस्क्रीन का उपयोग, विटामिन-डी की कमी में योगदान करते हैं। हां, बिना सनस्क्रीन के ज्यादा देर तक धूप में रहने से सावधान रहें, क्योंकि ओजोन परत के पतले होने से सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणें आसानी से धरती पर पहुंचती हैं और त्वचा कैंसर के खतरे को बढ़ाती हैं। इसलिए विटामिन-डी की कमी से बचने का सबसे अच्छा तरीका है अपने आहार में मछली, मांस, अंडे की जर्दी, फोर्टिफाइड डेयरी उत्पाद और मशरूम को शामिल करें। साथ ही पर्याप्त धूप लें, जो विटामिन-डी का सबसे प्रमुख स्रोत है। *

लीवर की समस्या से भी हो सकती है कमी

वैद्य डॉ. अमृता शर्मा

आज की जीवनशैली में जहां सूर्य का प्रकाश हानिकारक माना जा रहा है। लोग अपनी त्वचा को धूप से बचाने के लिए शरीर को ढंकते हैं। फैशन उद्योग द्वारा सनस्क्रीन लोशन का प्रचार, वातानुकूलित कमरों में रहना, त्वचा से चिपके कपड़े, उचित आहार और दिनचर्या का अभाव विटामिन-डी की कमी के कारण हैं। कभी-कभी सूर्य के प्रकाश के पर्याप्त संपर्क में आने के बाद भी विटामिन-डी की कमी देखी जाती है। यह लीवर की समस्या के कारण हो सकता है, क्योंकि लीवर विटामिन-डी का उत्पादन करने के लिए सूर्य के प्रकाश का उपयोग करता है। अगर लीवर ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो यह विटामिन-डी की कमी का कारण बनता है। विटामिन-डी एक वसा में घुलनशील विटामिन है, इसलिए इस विटामिन के कैप्सूल लेने के बाद भी यदि लीवर ठीक से काम नहीं करता है, तो शरीर के लिए इस विटामिन का उपयोग करना मुश्किल होगा और लाभ के बजाय यह विटामिन कैप्सूल शरीर को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए व्यक्ति को सुबह की धूप में सैर करना चाहिए, ढीले कपड़े पहनकर व्यायाम करना चाहिए।

मेडिटेक्नीक

आईवीएफ की सक्सेस रेट बढ़ा सकता है एआई

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल आईवीएफ मेडिकल प्रोसीजर में भी किया जा रहा है। एआई, एंब्रयो के पैटर्न को देखकर यह बता सकता है कि उसको किस क्रम में ट्रांसफर करना चाहिए या कौन-सा भ्रूण सबसे बेहतर रहेगा? इस बारे में डिटेल में बता रही हैं, नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी सेंटर, गुरुग्राम की फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट **डॉ. रश्मि अग्रवाल**।

आईवीएफ ने दुनिया भर में लाखों दंपतियों को माता-पिता बनने का सपना पूरा करने में मदद की है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई इस क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव ला रहा है। एआई डेटा, तस्वीरें और विशेष कंप्यूटर एल्गोरिदम की मदद से ऐसे पैटर्न पहचानता है, जिन्हें आमतौर पर इंसान नहीं देख पाता। इससे डॉक्टरों को इलाज के दौरान ज्यादा सटीक निर्णय लेने में मदद

मिलती है। एआई के आने से आईवीएफ प्रक्रिया पहले से अधिक प्रभावी, सटीक और मरीज के लिए आसान बन गई है।

- एआई, भ्रूण की तस्वीरें देखकर यह पता लगा सकता है कि कौन-से भ्रूण के सफलतापूर्वक गर्भाशय में लगने की संभावना ज्यादा है। यह एल्गोरिदम बहुत बड़े डेटा पर प्रशिक्षित होते हैं, जिससे भ्रूण के विकास में आने वाले छोटे-छोटे बदलाव भी पकड़ में आते हैं। इससे स्वस्थ भ्रूण चुनने की प्रक्रिया सटीक होती है।
- एआई की मदद से फर्टिलिटी विशेषज्ञ हर मरीज के लिए डेटा-आधारित और व्यक्तिगत ट्रीटमेंट डिसाइड कर सकते हैं। एआई हार्मोन के स्तर और दवाओं पर शरीर की प्रतिक्रिया का विश्लेषण करके सही दवा की मात्रा और ओवेरियन स्टिम्युलेशन का समय तय करता है।

इससे अंडाणु की गुणवत्ता बढ़ती है और इलाज से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

- एआई तकनीक से बने इमेजिंग टूल्स ऐसे शुक्राणु चुन सकते हैं, जिनकी गति और आकार सबसे अच्छा हो। इससे बेहतर भ्रूण बनते हैं और गर्भधारण की संभावना भी बढ़ती है।
- एआई सिस्टम, भ्रूण के विकास को रीयल-टाइम यानी लगातार मॉनिटर करते हैं और किसी भी असामान्यता को तुरंत पहचान लेते हैं। इससे डॉक्टर भ्रूण ट्रांसफर से पहले समय रहते सुधार कर सकते हैं, जिससे गर्भ ठहरने की संभावना बढ़ जाती है। *

योगोपचार

दिव्यज्योति 'नंदन'

रोज करिए ये तीन योगासन इस मौसम में रहेंगे स्वस्थ

सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है। इस दौरान स्वस्थ और फिट रहने के लिए आपको कुछ आसनों को अपने रूटीन में जरूर शामिल करना चाहिए। हम आपको बता रहे हैं, तीन ऐसे ही कारगर आसन।

सर्दी के मौसम में हमारे स्वास्थ्य की सच्ची रखवाली दवाइयां नहीं बल्कि कई तरह की हमारी शारीरिक गतिविधियां करती हैं। इनमें ही योगासन भी शामिल हैं। सर्दियां शुरू होते ही शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अगर आप कुछ सरल योगासनों को अपने रूटीन में शामिल कर लें तो कई परेशानियों से बचे रहेंगे। ये न केवल इन दिनों हमारे शरीर को गर्म रखते हैं बल्कि मन को भी सक्रिय और उत्साहित रखते हैं, जिससे हम प्रसन्न और एक्टिव रहते हैं। तो आइए जानें ये कारगर तीन सरल योगासन कौन से हैं?

त्रिकोणासनः त्रिकोणासन सर्दी के मौसम में हमें स्वस्थ रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण आसन है। यह खड़े होकर किया जाने वाला आसन है, जिससे हमारा शरीर पर्याप्त खिंचाव हासिल करता है। सर्दी के दिनों में पर्याप्त रूप से त्रिकोणासन कर लिया जाए तो शरीर में जरूरी लचीलापन बना रहता है। इसके चलते हमारी पाचनक्रिया सही रहती है और ठंड से सिकुड़ी मांसपेशियों को राहत मिलती है।

उष्ट्रासनः उष्ट्रासन या कैमल पोज भी उन कुछ गिने-चुने आसनों में से एक है, जो

त्रिकोणासन

सर्दियों में हमें तमाम तरह की परेशानियों से बचाकर रखता है। यह आसन सर्दियों में होने वाली सीने की जकड़न को खोलता है, जिससे ठंडी हवा का प्रभाव खत्म होता है।

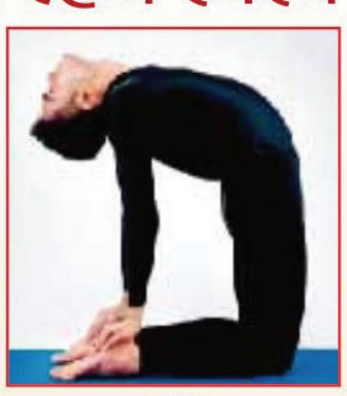

उष्ट्रासन

उष्ट्रासन करने से हमारे फेफड़े और हृदय को लाभ होता है। शरीर में गर्माइश बनी रहती है, पाचन बेहतर होता है और शरीर में जरूरी लचीलापन तथा कई तरह के दर्द से राहत मिलती है। उष्ट्रासन नियमित रूप से करने से सर्दियों में हमारे शरीर में ऊर्जा का सतत प्रवाह बना रहता है।

इस तरह इस मौसम में किए जाने वाले ये सीधे सरल तीन आसन हमें बहुत राहत देते हैं। इन आसनों का अभ्यास करने से पहले अनुभवी प्रशिक्षक से इनकी सही विधि जरूर सीख लें। *

पवनमुक्तासनः पवनमुक्तासन का मूल काम सर्दियों में हमारे पाचन तंत्र को दुरुस्त रखना है, जिससे हमारा शरीर सर्दियों में गैस और अपच की परेशानियों से दूर रहता है। इससे पेट की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं। शरीर में हल्कापन महसूस होता है और ऊर्जा का लगातार प्रवाह बना रहता है, जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता दुरुस्त रहती है।

मौसम की अनिश्चितता

मौसम मौन हो गया सर्द हवाओं की खुश्की से, अंबर रुक गया बादलों के इंतजार में। बारिश अपने कोहराम को लेकर गुजर गई और कहर की निशानियों में विराम ऐसा कि नवंबर में सूखे के हालात पैदा हो गए। सूरज का दिन और सर्दी से भरी रात का सूखा वजूद, हिमाचल के पर्वतों पर चिन्हित हो गया। नवंबर में अभी तक 87 प्रतिशत की कमी में, बारिश का इंतजार डराने लगा है। सूखे पहाड़ को निचोड़ कर भी इतना पानी नहीं बचा कि खेत में रबी की फसल के अनुरूप जलवायु चक्र का आश्वासन मिले। खेती का सारा पैटर्न हलाल हो रहा है, क्योंकि बादलों ने किसान से दुश्मनी पाल ली। एक हल्की सी बारिश भी उम्मीदों को खेत तक उतार देती है, लेकिन इस बार भी प्रतीक्षा करता किसान, मौसम की बेरुखी व अनिश्चितता से परेशान है। परेशान तो हिमाचल का जल शक्ति विभाग भी हो गया, क्योंकि बर्फ से पानी निगलतीं परियोजनाओं के हलक सूखे हैं, लिहाजा कई महत्त्वपूर्ण कस्बों और शहरों की जलापूर्ति दुखद स्थिति पैदा कर रही है। बिगड़ते मौसम की भुजाओं में पर्यटन की शेखियां, शहरी विकास की अनदेखियां और सेहत की नीतियां बेदम नजर आती हैं। विद्युत राज्य का शृंगार करने वाले हिमाचल के लिए सर्दी में बिजली से रोशन रहना भी एक असहजता है। स्थिति के विकराल स्वरूप पर सिर्फ एक आस्था अपनी देव संस्कृति पर कि इंद्र देवता इस सूखे में हमारी प्रार्थना स्वीकार करेंगे। आश्चर्य यह कि हमारे नदी-नालों और बड़े बांधों की वजह से कहीं रेगिस्तान में खेती लहलहा रही है, तो कहीं मैदानी इलाकों के सिंचाई प्रबंध इतने मुकम्मल हो गए कि देश की पैदावार का हिसाब हो गया, लेकिन इस संचय में हिमाचल को क्या मिला, तमाम बड़े बांधों से विस्थापित होते प्रदेश ने यह भी नहीं सोचा कि इस पानी से अपनी तकदीर भी तो जोड़ी जाए।

एक अदद शाह नहर अगर निकली भी, तो इसका क्षेत्र सीमित ही रहा। हैरानी तो यह कि जब पानी चाहिए तो मिलता नहीं, लेकिन बरसात में खुलते बांधों के गेट लगातार खेतों का अस्तित्व मिटा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में पौंग जलाशय ने अपने बरसाती पानी का दर्द नूरपुर में इतना उंडेल दिया है कि लोग अब जमीन से रेत-बजरी का धंधा करने लगे हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के सारे जख्म हिमाचल के ही हिस्से क्यों आएं। ऋतुओं का बदलता पैटर्न, विज्ञान के नए संदर्भ, आर्थिकी के नए विमर्श और नीतीयों के नए पैमानों की तरफ देख रहा है। अब हमें जलापूर्ति के प्रबंधन में उचित व स्थायी योजनाएं बनाते हुए ऐसी बांध परियोजनाएं बुननी होंगी, जो साल भर पानी पिला सकें। खेत को बारिश के भरोसे छोड़? के बजाय सिंचाई परियोजनाओं के खाके बदलने होंगे। धूमल सरकार ने जिस तरह वाटर हार्वेस्टिंग की प्राथमिकता का नियमन किया था, उसे व्यावहारिक सतह पर फिर से मजबूत करना होगा। वाटर हार्वेस्टिंग का चरित्र और चेहरा सामुदायिक योजना की तरह बने, तो हर गांव के पास एक सदाबहार व स्थायी जल व्यवस्था होगी। हिमाचल को पर्यावरण सुरक्षा का सबक पढ़ाने वाले बताएं कि हमारी योजनाओं या जंगल की परिभाषा क्यों नहीं मौसम के बदलते अंदाज का मुकाबला कर रही। जहां पेड़ लगा दिए, क्या वहां तालाब की जरूरत नहीं थी। हमारी जलवायु बिगड़ी है, तो इसकी वजह केवल हम नहीं, बल्कि मैदानी हवाओं से आ रहा प्रदूषण या पहाड़ पर अत्यधिक वाहनों व कंक्रीट के मकानों का भी तो असर होगा। पर्वतीय चेहरे को बचा कर देश बचेगा, लेकिन इसके लिए आवश्यक अनुसंधान, योजनाओं का संकल्प व नवाचार तभी आएगा अगर एक स्वतंत्र व आधार प्राप्त पर्वतीय विकास मंत्रालय का गठन किया जाए।

आपदा से चिन्हित चुनाव

स्थानीय निकाय चुनावों की फेहरिस्त में अगर चुनाव आयोग चार कदम आगे है, तो आपदाग्रस्त राज्य की तस्वीर में अभी आगे बढ? की फुर्सत नहीं। पूरा प्रदेश डिजास्टर एक्ट के तहत अपनी क्षतिपूर्ति, पुनर्वास और राहत की उम्मीदों में सुबह होने की मशक्कत में है। कुछ इलाके अभी भी आपदा से चिन्हित अपने घाव मिटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो चुनाव की दोपहरी के नीचे आयोग के लिए यह माकूल समय है। यानी प्रदेश के दो धरातल पर भविष्य देखा जा रहा है। एक ओर सरकार स्थानीय निकाय चुनावों की तिथि के बजाय आपदा राहत के केंद्रीय फरमानों में पंद्रह सौ करोड़ तथा भारी नुकसान की भरपाई के लिए अतिरिक्त धन के लिए दौड़ रही है। ऐसे में एक ओर चुनावी विचार की मौलिकता में राज्य निर्वाचन आयोग के लिए झाड़-पौंछा लगाना आसान प्रतीत हो रहा है तो दूसरी ओर अपने काम-अपने समाधान पर लगी प्रदेश सरकार, डिजास्टर एक्ट की निरंतरता में अपने स्टैंड पर कायम है। यानी उसे कुछ समय बाद चुनाव की नजाकत चाहिए। सत्ता के तीसरे साल में स्थानीय निकाय चुनाव प्रदेश की सियासत में विपक्ष की तैयारियों के लिए एक पड़ाव सरीखा है। सत्ता को काम करने हैं, तो प्रतिपक्ष को सियासी क्रीड़ा में अपना नाम करना है। बहरहाल यहां चुनाव आयोग सीधे-सीधे सरकार के मंतव्य पर संदेह कर रहा है। राज्य चुनाव आयुक्त अनिल कुमार खाची के अनुसार जिस शिद्दत से मतदाता सूचियों का प्रकाशन तथा आरक्षण रोस्टर का निर्धारण होना चाहिए था, वह यूं ही टाला जा रहा है। इस विवाद में कितना सत्य व कितना अर्द्धसत्य है, यह अब सामान्य प्रश्न का सामान्य उत्तर नहीं है। एक मुहाने पर चुनाव को लेकर बहस का आंगन विपक्ष की कचहरी बन गया, तो दूसरे पर सरकार का स्टैंड अब कानूनी बहस का आसरा ढूंढ रहा है।

शीतलहर से बचाव हेतु जिला आपदा प्रबंधन ने जारी किया दिशा निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शीतलहर एवं न्यून तापमान को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा शीतलहर से बचाव हेतु दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के निर्देशानुसार जिला, तहसील और ग्राम स्तर पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके अंतर्गत रैन बसेरा एवं आश्रय गृहों का संचालन, अलाव की व्यवस्था, जन-जागरूकता अभियान, अस्पतालों में दवाइयों एवं उपचार की पर्याप्त उपलब्धता, स्कूलों के समय में आवश्यक परिवर्तन, बेघर असहाय व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने तथा पशुओं और फसलों की सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे। शासन ने सभी विभागों को आवश्यक कार्यवाही तुरंत सुनिश्चित करने और की गई कार्रवाई की सूचना जिला कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

ओड़गी क्षेत्र में घटिया सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य देखकर भड़कीं मंत्री लक्ष्मी

0 अधिकारियों को लगाई जमकर फटकार 0 बोलीं- नहीं होगी लापरवाही स्वीकार्य, शीघ्र कराएं पुन: निर्माण कार्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओड़गी विकासखंड अंतर्गत धरसेड़ी, करीं-कुप्पी मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित सड़क और पुलिया का महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने नव-निर्मित सड़क की गुणवत्ता, सामग्री के उपयोग तथा संपूर्ण निर्माण प्रक्रिया का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। इस दौरान मंत्री ने पाया कि सड़क के कई हिस्सों में निर्माण मानकों का समुचित पालन नहीं किया गया है और कार्य अभी भी अधूरा है। गुणवत्ता विहीन कार्य को देखकर भड़कीं मंत्री ने मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को पूरे मार्ग का पुन: निर्माण मानक गुणवत्ता के साथ कराने तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें आमजन की जीवनरेखा हैं, जिस पर आवागमन, एम्बुलेंस सुविधा, बच्चों की स्कूल पहुँच और आवश्यक सेवाओं की निर्भरता होती है। इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, ओड़गी क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

एसएसपी ने नागरिकों को किया सावधान

एसआईआर के नाम पर साइबर ठग ओटीपी भेजकर कर सकते है फ्राड, किसी को न बताए ओटीपी : प्रशांत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य और जिले में एसआईआर का कार्य जारी है, साइबर ठगों ने इसकी आड़ में जाल फैलाना शुरू कर दिया है। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत गणना फॉर्म भरने वाले मतदाताओं और नागरिकों के लिए एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने एक महत्वपूर्ण सुरक्षा सूचना दी है जिसका उद्देश्य लोगों को उनके मोबाइल नंबर के संभावित दुरुपयोग और ओटीपी आधारित धोखाधड़ी से बचाना है। एसएसपी ने बताया कि एसआईआर भरने हेतु ओटीपी के लिए कोई कॉल आए तो यह सावधानी बरते। यदि आपको कोई व्यक्ति फोन करे और कहे कि आपके एसआईआर से जुड़े मोबाइल पर जो ओटीपी आया है, वह हमें दे दीजिए, तो उसे तुरंत मना कर दें। कॉल करने वाले व्यक्ति को साफ-साफ कहें कि मैं कार्यालय जाकर बात करूँगा या

अपने बीएलओ से संपर्क करूँगा करूंगी। अगर कोई व्यक्ति ओटीपी मांगने के लिए दबाव डाले, धमकी दे या जोर डाले, तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में सूचना दें। उन्होंने स्पष्ट किया है कि एसआईआर फॉर्म में मोबाइल नंबर देना पूरी तरह से सुरक्षित है। लेकिन कुछ साइबर अपराधी इसी बहाने ठगी करने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा है कि बीएलओ के माध्यम से बीएलओ फॉर्म भरने के लिए किसी भी प्रकार के ओटीपी की आवश्यकता नहीं होती है। कोई भी अधिकारी, कर्मचारी या बीएलओ आपसे ओटीपी नहीं मांगता। यह आशंका है कि साइबर ठग ओटीपी भेजकर और इसे पूछकर फ्रॉड को अंजाम दे सकते हैं। नागरिकों को एसआईआर फॉर्म' भरने की प्रक्रिया से जुड़ी एक नई प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति आगाह किया है और लोगों से अपील की है कि वे किसी भी सूरत में अपने मोबाइल फोन में प्राप्त वन टाइम पासवर्ड ओटीपी किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें, सावधान रहे, सुरक्षित रहे।

कबाड़ से जुगाड़ कर शिक्षक ने बनाया विद्यालय का भव्य स्वागत द्वार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवाचारी शिक्षक बिहारी लाल साहू ने अपनी सृजनशीलता और कौशल का परिचय देते हुए विद्यालय परिसर में पड़े जंग लगे व अनुपयोगी लोहे के पाइप एवं अन्य कबाड़ सामग्री का उपयोग कर एक भव्य स्वागत द्वार तैयार करवा दिया। विद्यालय में कबाड़ के रूप में रखी सामग्री को नए रूप में परिवर्तित कर बनाए गए इस स्वागत द्वार ने न सिर्फ विद्यालय की सुंदरता को बढ़ाया, बल्कि पूरे परिसर को एक नया आकर्षक स्वरूप भी प्रदान किया है। शिक्षक साहू ने बची हुई लोहे की एंगल एवं अन्य सामग्रियों का उपयोग करते हुए प्रधानमंत्री पोषण वाटिका के विस्तार का निर्णय भी लिया है। प्रस्तावित योजना के तहत जालीदार बाउंड्री बनाकर मध्यान्ह भोजन हेतु आवश्यक साग-सब्जियों की पोषण वाटिका विकसित की जाएगी, जिससे छात्रों को ताज़ी और पौष्टिक सब्ज़ियाँ उपलब्ध हो सकेंगी। विद्यालय के प्राचार्य पी.सी. सोनी सहित समस्त व्याख्याताओं और शिक्षकों ने कबाड़ से जुगाड़ की इस उत्कृष्ट पहल के लिए शिक्षक बिहारी लाल साहू की सराहना की और इसे प्रेरणादायक बताया।

जिले में अब तक की गई 15969.2 क्विंटल धान की खरीदी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए तुंहर टोकन मोबाइल ऐप का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। डिजिटल प्रणाली के लागू होने से किसानों को उपार्जन केंद्र में लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं रह गई है। किसान मोबाइल से मिनटों में धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर आसानी से धान बेच रहे हैं।

जिले के 54 उपार्जन केंद्रों में अब तक 297 टोकन वितरित किए गए हैं जिसमें 245 टोकन किसानों ने ऐप के माध्यम से लेकर धान विक्रय किया है। जबकि समिति द्वारा 52 टोकन वितरित किए गए हैं। किसानों का कहना है कि तुंहर टोकन ऐप के कारण समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा खरीदी व्यवस्था अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित हुई है।डिजिटल सुविधा से धान विक्रय की प्रक्रिया अब पहले से अधिक सरल, भरोसेमंद और किसान-केंद्रित बन गई है।

उल्लेखनीय है कि अब तक जिले में विभिन्न उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 15969.2 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। जिसमें से समिति द्वारा वितरित टोकन के माध्यम से 2599.6 क्विंटल जबकि ऐप के माध्यम से वितरित टोकन के माध्यम से 13369.6 क्विंटल धान की खरीदी की गई है।

भेष बदलकर मानी जंगल पहुंची पुलिस ने जुआं खेल रहे 5 जुआड़ियों को रंगे हाथों दबोचा, नगदी रकम, मोबाईल व बाईक जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कोतवाली पुलिस ने बीती रात मानी जंगल में जुआं खेल रहे 5 जुआरियों को पकड़ा है। जुआड़ियों के पास व फड़ से 19880 रूपये एवं मौके से 4 मोबाईल,1 बाईक जप्त किया गया। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यो के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। बताया गया है कि बीती रात कोतवाली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम मानी नर्सरी जंगल में जुआरी जुआ खेल रहे है।

सूचना पर पुलिस टीम वेशभूषा बदलकर, कई साधनों का उपयोग एवं पहचान छिपाकर ग्राम मानी नर्सरी जंगल पहुंची जहां घेराबंदी कर शिवराज राजवाड़े केनापारा थाना लखनपुर, रामवृक्ष राजवाड़े सपकरा, धनसाय राजवाड़े केनापारा, बृजेश पाण्डेय सलका एवं दर्पण राजवाड़े सपकरा को जुआ खेलते रंगे हाथों धर दबोचा। इन जुआड़ियों के पास व जुआ फड़ से 19880 रूपये तथा मौके से जुआड़ियों के 4 मोबाईल, 1 मोटर सायकल भी जप्त किया गया। मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा0 के मार्गदर्शन में कोतवाली प्रभारी विमलेश दुबे, प्रधान आरक्षक शिवलोचन पैंकरा, आरक्षक रविराज पाण्डेय, रामलोचन देवांगन, देवनीश मिंज सक्रिय रहे।

बिश्रामपुर क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार को लेकर महत्वपूर्ण बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयला गुणवत्ता को लेकर उपजे सवालों और आगामी उत्पादन लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बिश्रामपुर क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक उच्चस्तरीय बैठक क्षेत्रीय

महाप्रबंधक कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की सभी प्रमुख खान इकाइयों के गुणवत्ता नोडल अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय गुणवत्ता प्रबंधक अमरेन्द्र नारायण सिंह ने की। उनके साथ प्रभारी विक्रय प्रबंधक जयशंकर यादव भी उपस्थित रहे। इसमें उत्पादन से लेकर डिस्पैच तक हर चरण में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा आने वाले महीनों में गुणवत्ता मानकों को और सख्त करने पर चर्चा की गई। इस दौरान अमरेन्द्र नारायण सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है, जब हर खान अपने स्तर पर गुणवत्ता आधारित उत्पादन प्रणाली को और बेहतर करने की दिशा में काम करे। उन्होंने ओवरबर्डन प्रबंधन, ग्रेड कंट्रोल, सतत निगरानी, नमूनों की जांच और डिस्पैच से पहले गुणवत्ता सत्यापन जैसे पहलुओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खानवार गुणवत्ता निगरानी टीमों को नियमित फील्ड विजिट करने होंगे। मिश्रण और ग्रेड स्लिप की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उपभोक्ता कंपनियों एवं पावर प्लांट्स की शिकायतों को प्राथमिकता के साथ निपटाया जाएगा। डिस्पैच से पूर्व अंतिम गुणवत्ता जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार होने से न केवल उपभोक्ता संतुष्टि बढ़ेगी बल्कि कंपनी की साख और राजस्व दोनों में वृद्धि होगी। बैठक के अंत में प्रभारी विक्रय प्रबंधक जयशंकर यादव ने उपस्थित सभी अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास ही बिश्रामपुर क्षेत्र को गुणवत्ता के मामले में प्रदेश और देश में अग्रणी स्थान दिला सकते हैं।

बैठक में उपस्थित अन्य नोडल अधिकारियों ने भी अपने सुझाव रख आश्वासन दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में गुणवत्ता सुधार को लेकर ठोस कदम उठाए जाएंगे।

अंधेरे में क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांव, बिजली आपूर्ति की मांग

जिला मुख्यालय पहुंचकर सरपंच व ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक गांव आज भी बिजली से पूरी तरह वंचित हैं। स्वतंत्र भारत के 79 वर्ष पूरे होने के बाद भी इस क्षेत्र के कई गांवों में अब तक विद्युत कनेक्शन नहीं पहुंच सका है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्राम पंचायत करौटी 'ए' के सरपंच गजमोचन सिंह, ग्रामीण प्रतिनिधि जितेंद्र साकेत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शुक्रवार, को सूरजपुर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और तत्काल बिजली आपूर्ति की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के कोल्हूआ, चोगा, खैरा, कैलाशनगर, छतरंग, बाक, असुरा, खोहीर, रामगढ़, उमझर, रसौकी, जूडवनीया, बसनरा, रसोकी, नवडीह, मोहरसोप, बैजनपाठ, लूल्ह, तेलाईपाठ, भून्डा, कछवारी सहित कई गांव आज भी बिजली के अभाव में

जीवन गुजारने को मजबूर हैं। इन गांवों में न तो घरेलू बिजली कनेक्शन हैं और न ही सड़क मार्गों पर प्रकाश की कोई व्यवस्था। ग्रामीणों ने बताया कि रात होते ही पूरा इलाका घने अंधेरे में डूब जाता है, जिससे सुरक्षा संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बच्चों की पढ़ाई सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। बिजली न होने के कारण बच्चे दिए और लालटेन की टिमटिमाती रौशनी में पढ़ने को मजबूर हैं। वहीं कृषि और घरों के कामकाज पर भी इसका व्यापक असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं, संचार साधनों और आधुनिक सुविधाओं से जुड़ी हर व्यवस्था बिजली के अभाव में बाधित हो रही है। ज्ञापन सौंपते हुए सरपंच गजमोचन सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास की पहली जरूरत बिजली है। उन्होंने बताया कि वर्षों से ग्रामीण लगातार सरकारी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक विद्युतिकरण का काम शुरू नहीं हो सका है। सरपंच ने कहा कि लोग आज भी 70 साल पुराने हालात में जी रहे हैं। गांव की तरक्की का रास्ता बिजली से होकर ही गुजरता है। हम चाहते हैं कि प्रशासन तत्काल पहल करे और इन गांवों को बिजली की रोशनी से जोड़ें। कलेक्टर सूरजपुर ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए ज्ञापन प्राप्त किया और इस संबंध में जल्द उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र की बिजली समस्या दूर होगी और दशकों से जारी अंधकार का अंत होगा।

जल शक्ति जनभागीदारी अभियान पूर्वी क्षेत्र की केटेगरी-3 में जिले का 12वें स्थान

राष्ट्रपति से मिला 25 लाख का पुरस्कार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के नेतृत्व में जल संरक्षण एवं जल संचय की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। शासन की योजना जल शक्ति जन भागीदारी अभियान 1.0 अंतर्गत जिले ने पूर्वी क्षेत्र की केटेगरी-3 में 12वां स्थान प्राप्त कर प्रदेश एवं जिला का गौरव बढ़ाया है। विगत 18 नवंबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित छठवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार एवं जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार वितरण समारोह में जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 25 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एवं भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के मंत्री सी. आर. पाटिल द्वारा प्रदान किया गया। जिले की ओर से यह पुरस्कार जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता अरुण कुमार मिश्रा ने ग्रहण किया। पुरस्कार प्राप्त कर लौटने पर श्री मिश्रा ने कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने श्री मिश्रा को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। ज्ञात हो कि जल शक्ति जन भागीदारी अभियान 1.0 जल संचय संरचनाओं के निर्माण एवं उनके डेटाबेस तैयार करने पर केंद्रित एक राष्ट्रीय अभियान है। इसके अंतर्गत सूरजपुर जिले ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए जल संरक्षण के क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता को मजबूत बनाया तथा सतत एवं दीर्घकालिक जल प्रबंधन की दिशा में प्रभावी प्रयास किए। इस उपलब्धि के साथ जिले ने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान सुदृढ़ की है, बल्कि जल संरक्षण के क्षेत्र में जनभागीदारी आधारित मॉडल को एक सफल उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि- 19.11.2025
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग–मनेन्द्रगढ़ संभाग
03. स.क्र. –1,2 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि स.क्र. 1– 11.12.2025

सरल क्र.	एनआईटी क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	214	विकासखंड भरतपुर में एसडीएम कार्यालय में मीटिंग हॉल का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	26.71
2	215	विकासखंड खड़गवां में एसडीएम कार्यालय में मीटिंग हॉल का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	26.71

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी-252604928/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग
(भ/स) संभाग सूरजपुर (छ.ग.)
निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

क्रमांक 4485/एन.आई.टी.–09/2025–26/व.ले.लि. दिनांक 18.11.2025
निविदा प्रपत्र क्रन्य करने हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि: 28.11.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 04.12.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 05.12.2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानिव लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में) बैंक साल्वेसी (रु. में) कार्य पूर्णता हेतु अवधि
9 T0060	जमा मद के तहत औधोगिक प्रशिक्षण संस्था भटगांव में लघु निर्माण फाउण्डेशन कार्य	1.82/1365.00/27300.00 01 माह (वर्षा ऋतु सहित)

नियम व शर्त :
ई–पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी "द" से "अ" में पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकेंगे, निविदा प्रपत्र की कीमत 750.00 प्रति निविदा फार्म है. निविदा संबंधी अन्य शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग सूरजपुर

जी-252604898/1

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

तुंहर टोकन ऐप से धान बेचना हुआ आसान, घर बैठे मोबाइल से टोकन काट रहे किसान

समय और श्रम दोनों की हो रही बचत, धान खरीदी व्यवस्था को किसानों ने सराहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पूरे प्रदेश में धान खरीदी तिहार मनाया जा रहा है। इस बार धान खरीदी प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं किसान-मित्र बनाने के लिए राज्य सरकार ने तुंहर टोकन ऐप को व्यापक रूप से उपयोग में लाया है, जिसका सीधा लाभ किसान आसानी से उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार लागू किए गए इस डिजिटल नवाचार ने किसानों के लिए धान विक्रय की पारंपरिक जटिलताओं को काफी कम कर दिया है। अब किसान अपने मोबाइल फोन पर कुछ ही मिनटों में धान विक्रय के लिए टोकन काट सकते हैं और निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर बिना किसी बाधा के अपना धान बेच सकते हैं।

अंबिकापुर विकासखंड के आदिम जाति सेवा सहकारी मर्यादित समिति मेड़ाकला में धान बेचने पहुंचे ग्राम भिट्ठीकला निवासी कृषक श्याम राजवाड़े और मिलन राम ने तुंहर टोकन ऐप से घर बैठे ही टोकन निकालकर सुविधा का लाभ लिया है। किसान श्याम राजवाड़े ने बताया कि उन्होंने दो एकड़ में धान की फसल लगाई थी और तुंहर टोकन ऐप से 26 क्विंटल धान का टोकन घर बैठे बहुत आसानी से काट लिया। उन्होंने कहा कि पहले धान उपार्जन केंद्र में जाकर टोकन कटवाना पड़ता था, जिसमें काफी समय लगता था। अब मोबाइल से टोकन काटना बहुत आसान है। आज की तारीख का टोकन काटकर सीधे धान उपार्जन केंद्र पहुंचा, आते ही बारदाना मिला और धान की तौल भी तुरंत हो गई। किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा धान के बढ़े हुए 3100 रुपये प्रति क्विंटल का दाम दिए जाने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि इससे किसानों को फायदा मिला है। कृषक मिलन राम ने बताया कि उन्होंने 62 क्विंटल धान का तुंहर टोकन ऐप से धान का टोकन काटा है। उन्होंने कहा कि मोबाइल ऐप की वजह से बार-बार केंद्र नहीं आना पड़ा। घर बैठे ही सुविधा मिली और उपार्जन केंद्र पहुंचते ही बारदाना उपलब्ध हुआ। धान खरीदी व्यवस्था काफी पारदर्शी और सुविधाजनक है। उन्होंने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार की धान खरीदी व्यवस्था किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।

शुक्रवार को 52 किसानों ने काटा टोकन

अंबिकापुर सहित जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों में शुक्रवार को 52 किसानों ने तुंहर टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से धान का टोकन काटा है। यह डिजिटल सुविधा किसानों में तेजी से लोकप्रिय हो रही है और उन्हें इससे अत्यधिक सहूलियत भी मिल रही है।

डिजिटल नवाचार से बढ़ी पारदर्शिता

तुंहर टोकन ऐप के उपयोग से धान खरीदी प्रक्रिया में किसानों को सहुलियत मिल रही है, डिजिटल माध्यम से लंबी लाइनों से मुक्ति, समय और श्रम की बचत, टोकन व्यवस्था में पारदर्शिता, भीड़-भाड़ और अव्यवस्था में कमी जैसे महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

किसानों ने कहा-धान बेचना हुआ आसान

किसानों द्वारा धान खरीदी व्यवस्था को लेकर जताई जा रही संतुष्टि यह प्रमाणित करती है कि छत्तीसगढ़ शासन की यह डिजिटल प्रयास सफल हो रही है और किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। किसानों का कहना है कि घर बैठे टोकन सुविधा ने धान विक्रय को आसान, तेज और विश्वसनीय बना दिया है।

अधिवक्ता व प्रधान आरक्षक के बीच मारपीट की घटना ने सामाजिक तूल पकड़ा

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करके एक पक्षीय कार्रवाई का लगाया आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कुछ दिन पूर्व हुए अधिवक्ता व प्रधान आरक्षक के बीच मारपीट की घटना ने सामाजिक तूल पकड़ लिया है। 17 नवंबर की रात को कार बैक करने की बात पर प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप द्वारा अधिवक्ता राजेश तवारी, उनकी पत्नी व बेटे राहुल तिवारी के साथ मारपीट की गई थी। राजेश तिवारी ने प्रधान आरक्षक व उसके भाई संदीप कश्यप के खिलाफ गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना के दूसरे दिन अधिवक्ता ने अपने सामाज के लोगों के साथ पहुंचकर एसपी को ज्ञापन सौंपकर कठोर कार्रवाई की मांग की है, जबकि एसपी ने प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया है। शुक्रवार को प्रधान आरक्षक ने अपने कश्यप समाज व पुलिस परिवार के साथ एसपी को ज्ञापन सौंपा है। प्रधान आरक्षक ने एसपी से गुहार लगाया है कि मामले में एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच कराकर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कश्यप समाज ने भी

एकपक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाया है और राजनीतिक दबाव बनाकर संतोष कश्यप के खिलाफ अपराध दर्ज कराने पर आक्रोश व्यक्त किया है। कश्यप समाज के पूर्व अध्यक्ष संतोष कश्यप ने कहा है कि पुलिस आरक्षक संतोष कश्यप के ऊपर एफआईआर को समाप्त करें और मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप ड्यूटी के दौरान घर वापस आ रहे थे, इस दौरान मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है, साथ ही शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न करने को लेकर सवाल उठाए हैं।पूरे मामले को लेकर कश्यप समाज अब आरपार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

पूर्व राज्यपाल ने वीडियो कॉल में बसंत पण्डो से की बात, राष्ट्रपति से मिलने पर दी बधाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य की पूर्व राज्यपाल अनुसुइया उईके विडियो काल करके बसंत पण्डो, राष्ट्रपति दत्तक पुत्र से कुशलक्षेम पूछीं और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाक़ात होने पर बधाई दी। उन्होंने पण्डो जनजाति के लिए हमेशा यथासंभव सहयोग करने की बात कही द्य वहीं पण्डो समाज के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष उदय पण्डो, संभागीय उपाध्यक्ष राजकुमार पण्डो, माधव राम पण्डो ने बसंत पण्डो को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाक़ात एवं सम्मानित होने पर पुष्प गुच्छ देकर, माला पहना कर

बधाई दी। बसंत पण्डो पूर्व राज्यपाल अनुसुइया उईके के द्वारा विडियो काल पर बधाई देने और हालचाल जानने से खुश हुए और पूर्व राज्यपाल का राष्ट्रपति से मुलाक़ात करने पर आभार व्यक्त किया द्य समाज के पदाधिकारियों को भी आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे अंत समय में सभी लोग जान पाए कि देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उनका नाम गोलू से बसंत पण्डो नामकरण किए थे और गोद लेकर राष्ट्रपति दत्तक पुत्र का दर्जा पण्डो जनजाति को दिए थे।

नशा के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों पर रखें नजर, करें कानूनी प्रावधान के तहत कार्रवाई

नशामुक्त भारत अभियान योजनांतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन में नशामुक्त भारत अभियान योजनांतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक शुक्रवार को अपर कलेक्टर अमृत लाल ध्रुव की उपस्थिति में हुई। बैठक में उप संचालक समाज कल्याण विभाग व्ही. के. उके ने सर्वप्रथम नशामुक्ति के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत जिले में अब तक आयोजित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक लगभग 90 कार्यक्रम स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, विश्वविद्यालय, जनपद पंचायतों एवं विभिन्न सार्वजनिक स्थलों में आयोजित किए गए हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सेवा पखवाड़ा रजत जयंती के अवसर पर 21 सितंबर को अंबिकापुर में नशामुक्ति के पक्ष में जनजागरूकता विकसित किये जाने मैराथन दौड़ आयोजित किया गया था। बैठक में जिले में संचालित नशा मुक्ति केंद्र के संबंध में सभी उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया।

अपर कलेक्टर श्री ध्रुव ने अभियान के तहत विभिन्न माध्यम से योजना का विस्तृत प्रचार-प्रसार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों की बैठकों, साप्ताहिक बाजार, धान खरीदी केंद्रों तथा जिलों में सभी शासकीय कार्यक्रमों, आयोजनों में योजनांतर्गत व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। शिक्षण संस्थानों के आसपास नशा से संबंधित सामान विक्रय करने वाले दुकानों व सामग्री को हटाया जाए। उन्होंने पुलिस विभाग से उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि

पेट्रोलिंग के माध्यम से पुलिस प्रशासन द्वारा नशा में लिप्त व्यक्तियों पर नजर रखी जाए एवं कानूनी प्रावधान के तहत आवश्यक कार्रवाई करें। कार्यक्रम में अधिकाधिक युवाओं एवं विभिन्न संगठनों को जोड़ा जाए ताकि अपेक्षित परिणाम प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति के क्षेत्र में उल्लेखित कार्य कर रहे व्यक्तियों एवं संस्थाओं को पुरस्कृत किया जाए।

बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से उपस्थित सदस्य द्वारा विधिक जागरूकता एवं कानूनी प्रावधानों के संबंध में अवगत कराया गया। नशे के अवैध कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी प्रावधान अनुसार कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने नशा मुक्ति के संबंध में स्कूलों में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया। अपर कलेक्टर ने समिति को निर्देशित किया है कि सभी विभागों, स्वयं सेवी संस्थाओं, संघ, संगठनों के माध्यम से नशा मुक्ति हेतु विस्तृत कार्य योजना बनाकर इसका बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करें। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव लीनम बनसोड़े, जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार झा, एलेक्जेंडर केरकेट्टा, पुलिस विभाग से गंभीर साय तथा अजय यादव एवं समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्वजों की जमीन छीनने की साजिश, महिला मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। लखनपुर तहसील के ग्राम अमगसी के मदन राम और उनके कुछ सहयोगियों पर महिला ने जमीन हड़पने के लिए साजिश रखने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि फर्जी दस्तावेज के सहारे उनको परेशान किया जा रहा है, जबकि पीड़ित के पक्ष में शुरू से ही तहसील, एसडीएम कोर्ट से लेकर अपर कलेक्टर तक फैसला मिला है। वहीं तहसील कोर्ट लखनपुर ने मदन राम के खिलाफ बेदखली का आदेश भी जारी किया है। ग्रामीण बताते हैं कि पूर्वजों के समय से ही जमीन सुमित्रा की है, उस पर मदन राम और उसके कुछ सहयोगियों की नजर है। मौके पर कई बार तहसीलदार, एसडीएम, आरआई, पटवारी आकर जांच भी कर चुके हैं, फिर भी मदन राम और उसका भाई शराब के नशे में लाठी-डंडा लेकर उसे मारने-पीटने पहुंच जाते हैं। मदन राम को पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर कई बार समझाइस दी। एसडीएम भी इन्हें अपने अपने दायरे में रहने के लिए कह चुके हैं, लेकिन मदन राम अपना रसूख दिखाकर डरा धमकाकर जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहता है। ऐसे में पीड़िता ने मुख्यमंत्री को आवेदन देकर मदन राम के खिलाफ कार्यवाही करने का आग्रह किया है। मामले की जानकारी मिलते ही प्रजापति कुम्हार समाज प्रदेश संगठन ने भी नाराजगी जताई है और राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा से मिलकर प्रताड़ित करने वाले के विरूद्ध कार्रवाई कराने की बात की है ।

महिला आग की चपेट में आई, स्थिति गंभीर

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र के पशुपतिपुर गांव में शुक्रवार की सुबह ठंड से बचने के लिए अलाव ताप रही समुद्री उम्र 50 वर्षीय महिला अचानक भभकी आग की लपटों की चपेट में आकर बुरी तरह से झुलस गई। घटना के बाद स्वजन ने उसे 100 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वाड्रफनगर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के दौरान स्थिति गंभीर होती देख डॉक्टरों ने तत्काल बेहतर उपचार के लिए उसे मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर कर दिया। संजीवनी 108 एंबुलेंस की सहायता से घायल महिला को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर भेज दिया गया है।

बस चालक से असामाजिक तत्वों ने की मारपीट, वीडियो वायरल

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर।

थाना क्षेत्र में असमाजिक तत्वों का आतंक इन दिनों बढ़ गया है। असामाजिक तत्वों के द्वारा लखनपुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों से बदसलूकी और मारपीट की घटनाएं सामने आ रही है। असामाजिक तत्वों के द्वारा नवापारा चौक, हंसडांड, कुंवरपुर बस स्टैंड पार्क लखनपुर सहित अन्य स्थानों में मारपीट की घटना को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल है। पूरा मामला सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र के नवापारा चौक में देखने को मिला, जहां कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा शिवम बस को रुकवाकर चालक से गाली-गलौज और मारपीट किया गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, घटना से लोगों में रोष है। पुलिसिया कार्रवाई नहीं होने से इनके हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि नशा, लूटपाट, चोरी, मारपीट की घटना को अंजाम दे रहे हैं।

मीठा शक्ति आहार एवं नमकीन पौष्टिक दलिया निर्माण संयंत्र का लोकार्पण

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा-महिला समूहों के माध्यम से पोषण आहार उत्पादन शासन की दूरदर्शी नीति

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने शुक्रवार को विकासखण्ड भैयाथान अंतर्गत आकांक्षा स्व सहायता समूह, दर्रीपारा द्वारा पूरक पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत स्थापित मीठा शक्ति आहार एवं नमकीन पौष्टिक दलिया निर्माण संयंत्र का विधिवत लोकार्पण किया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पूरक पोषण आहार योजना के अंतर्गत सामग्री उत्पादन को पुन: महिला स्व सहायता समूहों के माध्यम से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। संयंत्र के माध्यम से एकीकृत बाल विकास परियोजना भैयाथान के 366 आंगनबाड़ी केंद्रों को पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा। उत्पादन व्यवस्था महिला समूह के माध्यम से संचालित होने से न केवल पोषण कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को रोजगार, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण भी प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने स्व सहायता समूह की अध्यक्ष चमेली देवी एवं समूह की सदस्याओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिला समूहों के माध्यम से पोषण आहार उत्पादन का निर्णय शासन की दूरदर्शी नीति है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाते हुए पोषण अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करना है। लोकार्पण कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, जनपद उपाध्यक्ष भैयाथान राजीव प्रताप सिंह, सुनील साहू, एसडीएम चांदनी कंवर, तहसीलदार शिवनारायण राठिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

दल से बिछड़ा हाथी पहुंचा बनारस-अंबिकापुर मार्ग में, घंटों रहा जाम

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में लंबे समय से विचरण कर रहा दल से अलग हुआ हाथी गुरुवार देर रात एक बार फिर मुख्य सड़क पर पहुंच गया। बनारस-अंबिकापुर मार्ग पर हाथी के अचानक निकल आने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात कई घंटों तक ठप रहा। हाथी और लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन अमला मौके पर तैनात रहा। वन कर्मियों ने लगातार निगरानी रखते हुए वाहनों को सुरक्षित दूरी पर रोककर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि यह हाथी पिछले कई महीनों से जंगल और गांव की सरहद पर ही घूम रहा है। वन विभाग की लाख कोशिशों के बावजूद यह दुबारा जंगल में नहीं लौट रहा है, जिससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत दशक का माहौल बना हुआ है।

पुलिस ने नशामुक्ति, साइबर अपराध से सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपुर में नशामुक्ति, साइबर अपराध, साइबर अपराध से सुरक्षा एवं व्यक्तित्व विकास के संबंध में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी अजय तिवारी कर्मयोग राज्य समन्वयक, आर्ट ऑफ लिविंग छत्तीसगढ़, विशिष्ट अतिथि विजय जामनिक कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग, भोजराज पासवान एवं अनुज जायसवाल साइबर सेल सरगुजा पुलिस उपस्थित रहे। स्कूल के प्राचार्य अमरदीप गुप्ता ने इस मौके पर कहा कि आज का कार्यक्रम निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी रहेगा। मुख्य अतिथि अजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि नशे की लत के कारण समाज में कई तरह की घटनाएं घटित होती हैं। इससे आर्थिक, सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक क्षति होती है। विशिष्ट अतिथि विजय जामनिक ने कहा कि आप सभी अपने लक्ष्य को निर्धारित कर सकारात्मक सोच एवं सही दिशा में हस्तक्षेप करेंगे तो निश्चित सफलता

मिलेगी। जीवन को बेहतर बनाने में अनुशासन एवं कड़ी मेहनत राम बाण साबित होगा। विशिष्ट अतिथि भोजराज पासवान एवं विशिष्ट अनुज जायसवाल ने साइबर फ्राड, डिजिट अरेस्ट, साइबर अपराध, साइबर अपराध से सुरक्षा एवं साइबर अपराध से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही सुझाव दिया गया कि साइबर फ्राड होने पर साइबर टोल फ्री नंबर पर तत्काल सूचना दें, जिससे पुलिस एवं प्रशासनिक तंत्र के द्वारा प्रभावी ढंग से हस्तक्षेप किया जा सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में व्याख्याता सोनिया सिन्हा, चंदा श्रीवास्तव, दुर्गानंदन गोजे एवं नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के संयोजक मंगल पाण्डेय, परामर्शदाता नीरज पाण्डेय एवं रानु पाण्डेय का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर ने राइस मिलरों की बैठक में धान खरीदी, बारदाना उपलब्धता और कस्टम मिलिंग पंजीयन के दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राइस मिलरों की बैठक आयोजित की गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत प्रारंभ हुई धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों में बारदाना की कमी न रहे, इसकी सुनिश्चित व्यवस्था मिल संचालक तत्काल करें। बैठक में खाद्य अधिकारी बी.एस. कामटे, डीएम नान जे.पी. तिर्की, डीएमओ अरुण विश्वकर्मा एवं राइस मिल संचालक उपस्थित थे। कलेक्टर ने राइस मिल संचालकों को निर्देश दिया कि 24 नवंबर तक सभी उपार्जन केन्द्रों में पुराना मिलर बारदाना अनिवार्य रूप से पहुंचाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2025-26 हेतु कस्टम मिलिंग के लिए मिल पंजीयन आवेदन 24 नवंबर तक हर हाल में कर दिए जाएं। उन्होंने विगत वर्ष 2024-25 के नान एवं एफसीआई में चावल जमा की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए, साथ ही वर्ष 2024-25 के शेष धान के उठाव के लिए डी.ओ. आवेदन शीघ्र करने को कहा। बैठक में जीपीएस सिस्टम एवं गेटपास ऐप का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया, ताकि उपार्जन एवं परिवहन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाया जा सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर